● वर्ष-4
● अंक-20
रायपुर, रविवार
01 सितंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› अल्फा की शूटिंग के लिए कश्मीर...

फारूक अब्दुल्ला दोहरा चरित्र और दोहरा चेहरा है-भाजपा

जम्मू। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर प्रभारी तरुण चुघ के आज चुनाव को लेकर पार्टी की बड़ी बैठक की। इसके बाद उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बीजेपी पूरी तरह से चुनावी तैयारियों में जुट गई है। यहां पहले चरण के चुनाव की पूरी समीक्षा हो चुकी है। अगले चरण में चुनाव कैसे लड़ा जाए इस पर भी काफी चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख नेताओं की राय भी ली गई है। जम्मू-कश्मीर में बीजेपी बिना किसी गठबंधन के पूरी ताकत के साथ चुनाव में उतरी है। तरुण चुघ ने आगे कहा कि दूसरी ओर, जो लोग पाकिस्तान का राग अलापते रहे और जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को लड़ाने की कोशिश करते रहे, वे आजकल एकता और अखंडता के नाम पर वोट मांग रहे हैं।

उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला आज एकता, अखंडता, विविधता में एकता की बात कर रहे हैं। जो व्यक्ति कल तक पाकिस्तान के बारे में बात करते थे। जिन्होंने नागरिकों के अधिकार छीने वे मानवता और विविधता की बात कर रहे हैं। यह दोहरा चरित्र और दोहरा चेहरा है। उनका घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा है। इसमें हर शब्द झूठ से भरा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), पीपुल्स डेमोक्रेटिक्स पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस को आतंकवाद, हिंसा और जन सुरक्षा पर खुली चर्चा के लिए चुनौती दी। साथ ही पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में 1990 के दशक के अशांत दौर के लिए तीनों दलों की आलोचना की। पार्टी ने कहा कि वह आतंकवाद और आम लोगों के हताहतहोने को कतई सहन नहीं करने का रुख रखती है। भाजपा के जम्मू-कश्मीर प्रभारी तरुण चुघ ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं गांधी-नेहरू, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवारों को - जो दवाइयों की पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाली दुकानों की तरह हैं - उनके और हमारे कार्यकाल के दौरान आतंकवाद, सुरक्षा और नागरिक सुरक्षा की स्थिति और अनुच्छेद 370 और 35 ए के बारे में उनके भ्रामक दावों और साजिशों पर खुली बहस के लिए चुनौती देता हूं। उन्होंने कहा, हम कहीं भी खुली बहस के लिए तैयार हैं, जिसमें कोई एक पत्रकार मध्यस्थता करेगा और कोई टीवी चैनल इसका प्रसारण करेगा।

छत्तीसगढ के विकास में इंजन है उद्योगः साय

जिला उद्योग संघ बिलासपुर के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

बिलासपुर। जिला उद्योग संघ बिलासपुर के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बिलासपुर पहुचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ के उद्योग यहां के विकास और अर्थव्यवस्था का इंजन है। यहां के उद्योगों का छत्तीसगढ़ के विकास में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 लागू किया गया है ताकि उद्योग को बढ़ावा देने बेहतर माहाल स्थापित करने के साथ आप सभी की समस्याओं को दूर किया जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत 10 वर्षों के कार्यकाल में देश को विकास की राह में आगे बढ़ाने का कार्य किया। उन्होंने देश को आर्थिक क्षेत्र में 5वें पायदान पहुचा दिया है। अब तीसरे कार्यकाल में वे तीसरी विश्व शक्ति बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2047 तक आप सभी के सहयोग से देश को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया गया है। छत्तीसगढ़ को भी विकसित छत्तीसगढ़ बनाने तैयार किया जा रहा है और इसमें आप सभी का सहयोग और सलाह जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक नवम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य का संकल्प/विजन लांच किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम नई उद्योग नीति भी ला रहे हैं। इसे भी एक नवम्बर को लांच किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बिजली, पानी, कोयला, लौह, हीरा, टीन, लीथियम सहित अन्य खनिज भंडार है। वन संसाधन के साथ वनोपज भी है। हमारे जशपुर क्षेत्र में टमाटर और बस्तर में इमली का वृहद उत्पादन है। इससे आदिवासी क्षेत्रों के विकास में गति आएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योगों के लिए बहुत स्कोप है और छत्तीसगढ़ की सरकार उद्योगों को जो सुविधाएं दें सकती है, उपलब्ध करायेगी तथा समस्याओं को दूर करेगी। मुख्यमंत्री साय ने उद्योग संघ के पदाधिकारियों से कहा कि आपके हाथों में हुनर और ताकत है। आप सभी छत्तीसगढ़ के विकास और अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में अपना योगदान जरूर दें। मुख्यमंत्री साय ने बिजली की समस्या को दूर करने और बेहतर औद्योगिक माहौल के लिए अधिकारियों तथा उद्योगपतियों के साथ सद्भावना पूर्ण व्यवहार स्थापित करने की दिशा में पहल करने की बात कही।

समारोह में अति विशिष्ट अतिथि तोखन साहू आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री भारत सरकार एवं सांसद बिलासपुर ने कहा कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था कृषि और उद्योग पर निर्भर है। उद्योग से रोजगार भी उत्पन्न होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगारोन्मुखी उद्योग को बढ़ावा देने की पहल की है। मुद्रा लोन को बढ़ाया है। उन्होंने उद्योग के लिए जो भी समस्या है दूर करने की बात कहते हुए संघ के पदाधिकारियों की संख्या 6 से बढ़कर 450 होने तथा 50 वर्ष होने पर सभी को शुभकामनाएं दी।

समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उद्योगों से सिर्फ किसी सामान का निर्माण नहीं होता और यह पैसा कमाने का साधन नहीं है। रोजगार सृजन में भी उद्योग की भूमिका है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार लगातार उद्योग को बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री द्वारा भी लघु उद्योग सहित अन्य उद्योग को बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने स्वर्ण जयंती पर बिलासपुर जिला उद्योग संघ को बधाई दी।

नमाज ब्रेक को खत्म किए जाने पर भड़के फारूक

जम्मू। असम विधानसभा में नमाज ब्रेक खत्म करने को लेकर सियासत जबरदस्त तरीके से तेज हो गई है। कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के नेताओं की ओर से सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हालांकि भाजपा हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार द्वारा किए गए निर्णय के साथ खड़ी हुई दिखाई दे रही है। इन सब के बीच नेशनल कांफ्रेंस के नेता और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला कई बयान सामने आया है। वह असम में हुए इस निर्णय से पूरी तरह नाराज हैं और सरकार से सभी धर्मों का सम्मान करने की अपील कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि यह देश विविधता में एकता के लिए जाना जाता है। हमारे यहां हर धर्म और हर है, चाहे वह तमिलनाडु हो, कश्मीर हो, बंगाल हो या महाराष्ट्र, कोई भी राज्य, हर राज्य की एक अलग संस्कृति है और इसलिए भारत एक संघीय ढांचा है और हमें हर धर्म की रक्षा करनी है। उन्होंने आगे कहा कि जब समय आएगा, तो यह बदल जाएगा। कुछ भी स्थायी नहीं है। अच्छी चीजें फिर से प्रबल होंगी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी हर धर्म के लोगों का सम्मान करना चाहिए और उनकी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें हर धर्म के लोगों का ख्याल रखना होगा। जब उनके प्रति हमारा दृष्टिकोण अच्छा होगा, तो पूरे देश में अच्छा होगा।'' प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के बारे में नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी को पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती द्वारा ''अफसोसजनक'' बताए के बारे में पूछे जाने पर नेकां प्रमुख ने कहा एक-दूसरे पर उंगली उठाने से कुछ भी हासिल नहीं होगा। उमर ने हाल ही में कहा था कि प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) कभी चुनावों को 'हराम' मानता था, लेकिन अब उनके लिये यह 'हलाल' हो गया है। अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं उनके बारे में कुछ नहीं कहूंगा। भगवान उन्हें आशीर्वाद दें। वह अपना रास्ता खुद चुनें, लेकिन देश की रक्षा के बारे में सोचें। एक-दूसरे पर उंगली उठाने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्हें इस रास्ते से दूर रहना चाहिए।''

जो कभी सत्ता में थे, वो अब देश विरोधी नैरेटिव फैला रहे हैं : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देहरादून में कहा कि अफसोस है कि जो लोग कभी सत्ता में थे, वे अब देश विरोधी नेरेटिव फैला रहे हैं और हमारे लोकतंत्र को चुनौती दे रहे हैं. साथ ही कहा कि निजी हित के लिए कुछ लोग देश की आर्थिक वृद्धि और वैश्विक प्रतिष्ठा को नजरअंदाज कर रहे हैं. उपराष्ट्रपति ने देहरादून में सीएसआईआर-आईआईपी में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की चुनौती पर भी जोर दिया और कहा कि जलवायु परिवर्तन विशेष रूप से कमजोर वर्गों को प्रभावित करता है, जलवायु न्याय हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए. उपराष्ट्रपति ने कहा, संकीर्ण पार्टीगत हितों की पूर्ति के लिए वे देश विरोधी नेरेटिव फैला रहे हैं और हमारे महान लोकतंत्र की तुलना पड़ोसी देशों की प्रणालियों से कर रहे हैं.

इस दौरान उन्होंने युवाओं को चेतावनी देते हुए कहा, ये लोग हमें भटकाने की पूरी कोशिश करते हैं, अपने वास्तविक इरादों को छिपाते हुए देश की अभूतपूर्व वृद्धि को नजरअंदाज करते हैं. देश की आर्थिक उन्नति और वैश्विक मंच पर इसकी शानदार वृद्धि को नजरअंदाज करते हैं. उन्होंने भारत के स्थिर लोकतंत्र और पड़ोसी देशों की प्रणालियों की तुलना किए जाने की आलोचना की और पूछा, क्या हम कभी तुलना कर सकते हैं? उन्होंने युवाओं से इस तरह के नेरेटिव का विरोध और उन्हें बेअसर करने और हानिकारक तुलनाओं को उजागर करने की अपील की.

रायपुर. बस्तर की अपनी नैसर्गिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अनूठी सामाजिक ताना-बाना और ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के स्थलों के बारे में सोशल मीडिया के इनफ्लुरेन्स अब देश-दुनिया को परिचित करवाएंगे। शुक्रवार को आसना स्थित बादल अकादमी में बस्तर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए सोशल मीडिया इनफ्लुरेन्स से चर्चा करते हुए 'द बस्तर मड़ई' कॉन्सेप्ट के माध्यम से बस्तर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने सहयोग प्रदान किये जाने कहा।

प्रमुख समाचार

रुबीना ने भारत को दिलाया पांचवां मेडल

नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक 2024 के तीसरे दिन भारत को पांचवां मेडल मिल गया है। दरअसल, भारतीय शूटर रुबीना फ्रांसिस ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 फाइनल में 211.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में निशानेबाजी में दो गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। वहीं पेरिस पैरालंपिक में भारत एक गोल्ड, एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है। रुबीना के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं रहा। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 1999 में जन्मीं रुबीना बचपन से ही दिव्यांग हैं। वह रिकेट्स नामक बीमारी से जूझ रही हैं। रुबीना पैरों से 40 प्रतिशत दिव्यांग हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी शारीरिक अक्षमता को कभी कमजोरी नहीं बनने दिया और अब उन्होंने अपनी काबिलियत से भारत का नाम पैरालंपिक में ऊंचा किया है। रुबीना रिकेट्स की समस्या से ग्रसित हैं। ये एक स्थिति होती हैं जो बच्चों में हड्डियों के विकास को प्रभावित करती है। इस बीमारी के कारण से पीड़ित को हड्डियों में दर्द और कमजोरी महसूस होती है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर हमले की कोशिश

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री और सांसद गिरिराज सिंह पर हमले की कोशिश की गई है। दरअसल, बेगुसराय के बलिया प्रखंड में जनता दरबार के दौरान गिरिराज सिंह लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान सफेद टोपी पहने एक शख्स वहां पहुंचा, पहले उसने माइक संभाला और कुछ अनाप-शनाप बोला। इसके बाद वहां मौजूद बीजेपी नेताओं ने विरोध किया। हालांकि, इसका उसपर कोई असर नहीं हुआ। वह गिरिराज सिंह के और पास गया तथा उन्हें मुक्का मारने की कोशिश की। वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। युवक की पहचान मो सैफी के रूप में हुई है। वह वार्ड पार्षद भी बताया जाता है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। इस घटना पर गिरिराज ने कहा कि मैं ऐसी घटनाओं से डरने वाला नहीं हूं। लेकिन राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे लोग वोट के लिए इस आदमी के समर्थन में खड़े होंगे क्योंकि इसकी दाढ़ी है। घटना बलिया प्रखंड की है। उन्होंने सीधे-सीधे आरोप लगाया कि दाढ़ी बढ़ाने से कोई मुल्ला नहीं बन जाता.

फडणवीस के करीबी शरद पवार से मिले, चर्चा शुरू

मुंबई। शिवाजी की प्रतिमा ढहने के मुद्दे ने महायुति सरकार की किरकिरी करा ही रखी है। जिसके लिए पीएम मोदी को सिर झुका कर माफी मांगने की नौबत तक आ गई। वहीं अब महाराष्ट्र की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले सेंधमारी की कोशिशें परवान चढ़ती नजर आ रही है। देवेंद्र फडणवीस के खास बताए जाने वाले एक नेता की एमवीए के बड़े नेता संग मीटिंग की खबर सामने आई है। बीजेपी के युवा नेता और देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाने वाले विवेक कोल्हे ने हाल ही में शरद पवार से मीटिंग की है। एक इवेंट के दौरान दोनों मिले थे। इसके बाद दोनों साथ ही साथ वहां से बाहर निकले। ऐसे में चर्चा तेज हो चली है कि क्या विवेक कोल्हे कोई नया ऑप्शन तलाश रहे हैं। लेकिन ऐसी नौबत आखिर क्यों आ गई? दरअसल, कोपरगांव विधानसभा की सीट से वो चुनाव लड़ना चाह रहे थे। देवेंद्र फडणवीस के करीबी हैं तो वो पूरी कोशिश में हैं कि उन्हें यहां से टिकट मिले। लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि वहां से अजित पवार की एनसीपी के आशुतोष काल्हे को टिकट मिल सकती है।

टिकट बंटवारे से नाराज बीजेपी के 2 नेताओं ने छोड़ी पार्टी

जम्मू। विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शनिवार को जम्मू एवं कश्मीर इकाई से दो और नेताओं के बाहर होने से झटका लगा। भाजपा के सांबा जिला अध्यक्ष कश्मीर सिंह ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले नेशनल कॉन्फ्रेंस से भाजपा में आए जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री सुरजीत सिंह सलाथिया की उम्मीदवारी का विरोध करते हुए सिंह ने कहा कि भारी मन से मैं उस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा दे रहा हूं जिसके लिए मैंने काम किया है। 42 वर्षों तक मैं परिस्थितियों से मजबूर था जब पार्टी ने एक ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया जो नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) से आया था और दशकों तक हमारी विचारधारा का मुखर विरोध करता रहा। स्लाथिया ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली कांग्रेस-एनसी गठबंधन सरकार में मंत्री के रूप में कार्य किया है। लेकिन 2021 में भाजपा में शामिल हो गए। इस निर्वाचन क्षेत्र को 28 वर्षों तक अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रहने के बाद सामान्य श्रेणी मेंरखा गया है।

दिल्ली कोचिंग सेंटर मामलाः आरोपी सीबीआई हिरासत में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली कोचिंग सेंटर में हुई मौतों के मामले में सभी छह आरोपियों को सीबीआई हिरासत में भेज दिया है। अदालत ने मामले के सिलसिले में गिरफ्तार सभी छह व्यक्तियों को चार दिन की सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निशांत गर्ग ने अभिषेक गुप्ता, देशपाल सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह, सरबजीत सिंह और परविंदर सिंह को 4 सितंबर तक हिरासत में भेज दिया। न्यायधीश ने कहा कि आवेदन में प्रस्तुतियाँ और विशेष रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के 2 अगस्त, 2024 के आदेश के संदर्भ में जांच के दायरे को ध्यान में रखते हुए, जांच के उद्देश्य और भूमिका का पता लगाने के लिए आरोपी व्यक्तियों से हिरासत में पूछताछ आवश्यक होगी। विभिन्न व्यक्तियों द्वारा खेला गया जो भ्रष्ट आचरण या आपराधिक लापरवाही में शामिल हो सकते हैं। यह दुखद घटना तब घटी जब पुराने राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में अचानक बारिश का पानी भर गया, जिससे आईएएस परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की डूबने से मौत हो गई। अदालत ने कहा कि मामले की आगे की जांच करने और इसमें शामिल लोगों की भूमिका निर्धारित करने के लिए हिरासत आवश्यक है।

महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध को लेकर चिंतित हैं मोदी

क्या औरतों की सुरक्षा को लेकर बनने वाला है बेहद कठोर कानून?

रेनू तिवारी

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से देश भर में सवाल उठ रहे हैं। कोलकत्ता के कांड के बाद चोरों और से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अलोचना भी हो रही हैं। ऐसे में मांग हो रही है कि महिलाओं को लेकर कठोर कानून बनें। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पर बात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों के त्वरित निपटारे का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में जितनी तेजी से फैसले लिए जाएंगे, आधी आबादी की सुरक्षा का आश्वासन उतना ही अधिक होगा।

दिल्ली में जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों की सुरक्षा समाज की गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए देश में कई सख्त कानून बनाए गए हैं। 2019 में फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों के लिए एक योजना बनाई गई थी। इसके तहत महत्वपूर्ण गवाहों के लिए बयान केंद्रों का प्रावधान है। पीएम मोदी ने कहा इसमें भी जिला निगरानी समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक भी इस समिति में भाग लेते हैं। आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं के समन्वय में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। हमें इन समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने देश की परिवर्तन यात्रा में बुनियादी ढांचे और तकनीकी प्रगति के साथ-साथ नीतियों और कानूनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश ने आजादी के 70 से अधिक वर्षों में पहली बार कानूनी ढांचे में बड़े और महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। भारतीय न्याय संहिता के रूप में नई न्यायिक प्रणाली का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन कानूनों की भावना नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है। उन्होंने कहा कि भारत के आपराधिक कानूनों को शासकों और गुलामों की औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, राजद्रोह जैसे औपनिवेशिक कानूनों को निरस्त कर दिया गया है। पीएम ने कहा कि एक तरफ महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर सख्त कानून बनाया गया है। दूसरी तरफ पहली बार छोटे अपराधों की सजा के हिस्से के रूप में सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड को भी सबूत के तौर पर मान्यता दी गई है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत इलेक्ट्रॉनिक मोड में समन भेजने का प्रावधान किया गया है। इससे न्यायपालिका पर लंबित मामलों का बोझ भी कम होगा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मार्गदर्शन में जिला न्यायपालिका को

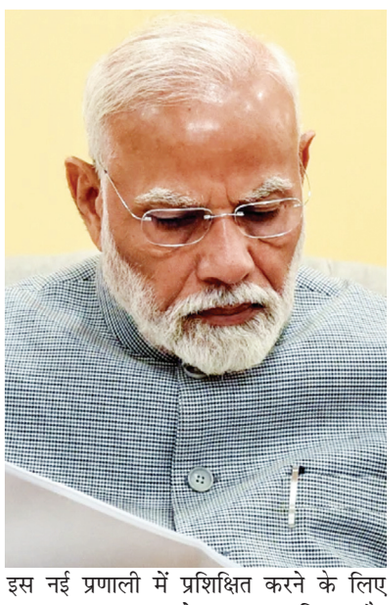

इस नई प्रणाली में प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आह्वान किया और सुझाव दिया कि न्यायाधीश और वकील इस अभियान का हिस्सा बनें।

उन्होंने कहा, इस नई प्रणाली से जनता को परिचित कराने में हमारे वकीलों और बार एसोसिएशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। मोदी ने रेखांकित किया कि सुप्रीम कोर्ट की 75 साल की यात्रा भारत के संविधान, उसके मूल्यों और लोकतंत्र के रूप में विकसित हो रहे भारत की यात्रा भी है। पीएम ने कहा कि भारत के लोगों ने कभी भी भारत के सुप्रीम कोर्ट या न्यायपालिका के प्रति अविश्वास नहीं दिखाया है।

मोदी ने कहा कि न्यायपालिका को हमारे लोकतंत्र का संरक्षक माना जाता है। इसे अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए उन्होंने इस दिशा में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रयासों की सराहना की। पीएम ने टिप्पणी की कि न्यायपालिका ने आजादी के बाद से न्याय की भावना को बरकरार रखा और आपातकाल के दौरान भी संविधान की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए इसकी प्रशंसा की।

उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मौलिक अधिकारों की भी रक्षा की है और जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल उठा, न्यायपालिका ने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए देश की एकता और अखंडता की रक्षा की है। पीएम मोदी ने बताया कि जिला अदालतों में करीब 4.5 करोड़ मामले लंबित हैं और न्याय में इस देरी को खत्म करने के लिए पिछले एक दशक में कई स्तरों पर काम किया गया है।

उन्होंने बताया कि न्यायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए करीब 8,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में न्यायिक बुनियादी ढांचे पर खर्च की गई 75 फीसदी धनराशि उनकी सरकार के 10 वर्षों के दौरान खर्च की गई है। उन्होंने कहा, इन 10 वर्षों में जिला न्यायपालिका के लिए 7.5 हजार से अधिक कोर्ट हॉल और 11 हजार आवासीय इकाइयां तैयार की गई हैं।

बल्ली के सहारे टिकी है स्कूल की छत, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। शासन-प्रशासन जनता को अच्छी शिक्षा व्यवस्था देने का लाख दावा करे, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। गौरेला के सरकारी स्कूल की ऐसी तस्वीर सामने आई है जो बेहतर शिक्षा व्यवस्था के दावों की पोल खोल रही है। इस स्कूल की छत लकड़ी की एक बल्ली के सहारे टिकी हुई है। पूरे स्कूल की छत से प्लास्टर फर्श पर गिर रहे है। स्कूल में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी इस स्कूल का जायजा लेने नहीं पहुंचते।

बता दें, गौरेला विकासखंड के आदिवासी क्षेत्र बैगा बाहुल्य ग्राम पंचायत आमाडोब के पटपरी छोटकीरेवार गांव में स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल की हालत अत्यंत दयनीय है। बरसात के मौसम में स्कूल की जर्जर छत से पानी टपकता है, जिससे कमरे में पानी भर जाता है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। शौचालय भी इतनी बुरी हालत में है कि अब इसका उपयोग संभव नहीं रहा है। इस स्कूल की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि छत के प्लास्टर आए दिन फर्श पर गिरते रहते हैं। इस स्कूल में बच्चों की जान को काफी खतरा है। लेकिन अब तक कोई भी जिम्मेदार अधिकारी इस स्कूल का जायजा लेने नहीं पहुंचे हैं।

खस्ताहाल स्कूलों और प्रशासन की लापरवाही को देखते हुए ये सवाल खड़े हो रहे हैं, कि यदि शिक्षा व्यवस्था इतनीलचर है, तो हमारे बच्चों का भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा? इस स्कूल में कई बार यहां बच्चे दुर्घटनाओं से बाल-बाल बचे हैं। अगर कोई गंभीर घटना हो जाती है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? बैगा आदिवासी राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाते हैं, फिर भी ये लोग शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

कई बार अधिकारियों से की गई शिकायत

इस स्कूल में 24 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन स्कूल की खराब स्थिति को देखकर अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते हैं। मजबूरीवश, वे अपने बच्चों को यहां भेजते हैं, जहां वे खतरे के साये में रहते हैं। कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को यहां की स्थिति सुधारने के लिए सूचित किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन कब इस जर्जर स्कूल की मरम्मत और शिक्षा व्यवस्था में सुधार करेगा।

शिक्षकों की अनुशासनहीनता दिव्यांग भृत्य कराती है प्रार्थना

प्रिंसिपल और टीचर्स राष्ट्रगान के बाद पहुंचते हैं स्कूल

मोहला-मानपुर। जिले के नक्सल प्रभावित मानपुर ब्लॉक मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में अनुशासनहीनता और लापरवाही की गंभीर स्थिति सामने आई है। यहां राष्ट्रगान के प्रति स्कूल के प्रिंसिपल और अध्यापकों की गैरजिम्मेदारी उजागर हुई है। स्कूल में प्रार्थना एक दिव्यांग महिला भृत्य द्वारा कराई जाती है, जबकि स्कूल के प्रिंसिपल और अन्य अध्यापक प्रार्थना के बाद देर से स्कूल पहुंचते हैं।

हाल ही में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजहंस मंडावी ने स्कूल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने देखा कि दिव्यांग महिला भृत्य प्रार्थना करा रही हैं और प्रिंसिपल और सभी अध्यापक स्कूल के आसपास भी नहीं थे। राजहंस मंडावी ने इस दौरान भृत्य के साथ प्रार्थना में भाग लिया।

प्रधानमंत्री के स्वच्छता मिशन के विपरीत, मानपुर के आत्मानंद स्कूल के शौचालय की स्थिति बेहद खराब है। शौचालय के दरवाजे टूटे हुए हैं और गंदगी का ढेर लगा हुआ है, जिससे इसका उपयोग असंभव हो गया है। शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष ने निरीक्षण के दौरान इस स्थिति की भी जांच की।

इस तमाम परिस्थिति से वाकिफ होने के बाद अध्यक्ष राजहंस मंडावी ने मौजूद मीडिया को बताया, कि उन्होंने इस दौरान स्कूली बच्चो से चर्चा की, बच्चों ने उन्हें बताया कि रोजाना यहां भृत्य ही प्रार्थना कराती है। सत्ता रूढ़ भाजपा के एक जिम्मेदार पदाधिकारी राजहंस ने तमाम परिस्थितियों को स्वयं उजागर कर कार्यवाही की बात कही है। वहीं दूसरी ओर जिला शिक्षा अधिकारी अभी भी जांच का हवाला देकर पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पोर्टा केबिन का बोर कर दिया बंद बूंद-बूंद पानी को तरस रहे मासूम

नारायणपुर। जिले के ग्राम पंचायत देवगांव में पानी की सप्लाई बाधित होने से पीएम श्री पोर्टा केबिन और आश्रम छात्रावास के सैकड़ों विद्यार्थियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मामला प्यून भर्ती में पंचायत और ग्रामीणों की अनदेखी से जुड़ा है, जिसने गांव में राजनीतिक तनाव पैदा कर दिया है।

नारायणपुर के ग्राम पंचायत देवगांव में स्थित पीएम श्री पोर्टा केबिन 500 सीटर एवं 100 सीटर बालक छात्रावास संचालित हो रहा है जो इन दिनों गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। यह संकट तब उत्पन्न हुआ जब पंचायत और ग्रामीणों ने प्यून भर्ती में अपने लोगों की उपेक्षा को लेकर पानी की सप्लाई को बाधित कर दिया। ग्रामीणों ने जब इस मुद्दे पर ध्यान देने की कोशिश की तो उन्हें 'शासन का निर्देश' कहकर अनदेखा कर दिया गया। जिसके बाद ग्राम सभा में यह निर्णय लिया गया कि जब तक पंचायत के

लोगों को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तब तक पानी की सप्लाई बहाल नहीं की जाएगी।

गांव से पानी की सप्लाई बंद होने के कारण पोर्टा केबिन और छात्रावास के विद्यार्थियों को पीने के पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने नगर पालिका परिषद के टैंकरों से पानी की आपूर्ति करने की कोशिश की है, लेकिन यह उपाय पर्याप्त नहीं साबित हो रहा है।

पोर्टा केबिन के अधीक्षिका रंजीता नाग का कहना है कि पानी की सप्लाई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा बोर वास्तव में पोर्टा केबिन का ही है, लेकिन परिसर में जलस्तर की कमी के कारण इसे कुछ दूरी पर खनन किया गया था। वर्तमान में नगर पालिका से पानी के टैंकर मंगवाकर समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में बारिश से 15 गांवों का संपर्क टूटा

- पुल के लिए 7 बार जारी हो चुका है टेंडर

गरियाबंद। जिले का राजापड़ाव क्षेत्र बरसात के साथ ही मुसीबत से घिर जाता है। बारिश के दिनों में नदी नाले उफान पर रहने से कई गांवों का संपर्क टूट जाता है। बारिश के कारण 15 गांवों का संपर्क जिला मैनपुर मुख्यालय से पूरी तरह कट गया है। बारिश के दिनों में अक्सर यही स्थिति रहती है। स्कूल आने जाने वाले बच्चे और टीचर्स के साथ ही मरीजों को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती है।

सरपंच सुनील मरकाम ने कहा गरहीडीह और बाघ नाला में काफी परेशानी। टीचर और पढ़ने वाले बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। नाला भरने से मरीज भी अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस समस्या के बारे में सरकार को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम ने कहा गरियाबंद का राजापड़ाव काफी संवेदनशील क्षेत्र है। बरसात के दिनों में यहां के 5 नालों अड़गड़ी नाला, जड़ी नाला, शोभा नाला, बाघ नाला, गढा नाला के लिए पुल की स्वीकृति मिल गई है। कल शिविर लगना था लेकिन बारिश के कारण पूरा क्षेत्र टापू में बदल गया, जिससे प्रशासन को शिविर को रद्द करना पड़ा।

राजापड़ाव गोरगांव मार्ग पर पड़ने वाले बाघ नाले में पुल निर्माण को लेकर सेतु निर्माण विभाग के स्छह संतोष कुमार का कहना कि राजापड़ाव गोरगांव मार्ग पर बाघ नाला पर पुल का निर्माण होना है। सात बार टेंडर जारी किए गए हैं। हाई टेंडर रेट होने के कारण स्वीकृति नहीं मिली है। फिर से निविदा जारी किया जा रहा है। जैसे ही टेंडर पास हो जाएगा, पुल निर्माण का काम शुरू हो जाएगा। नाले में पुल निर्माण नहीं होने को लेकर इस बात की भी चर्चा है कि नक्सल प्रभावित होने के कारण ठेकेदार यहां काम करने से पीछे हट रहे हैं।

धमतरी में आदमखोर तेंदुए का आतंक, दहशत में ग्रामीण

3 साल की मासूम बच्ची को बनाया निवाला

धमतरी। धमतरी जिले के नगरी ब्लॉक स्थित ग्राम धौराभाठा में आदमखोर तेंदुए की दहशत से ग्रामीण परेशान हैं। लगातार हो रहे तेंदुए के हमलों ने पूरे गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बना दिया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्दी पकड़कर कहीं और छोड़ने की मांग की है। शुक्रवार की शाम को तेंदुए ने गावं धौराभाठा में 3 वर्षीय मासूम बच्ची नेहा कमार पर हमला कर उसकी जान ले ली। घटना के कुछ घंटे बाद, तेंदुए ने बुजुर्ग व्यक्ति बुधराम कमार पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बुजुर्ग व्यक्ति अपने घर में सो रहे थे जब तेंदुए ने उनके सिर पर हमला किया। तेंदुए की हमला करने की चीख-पुकार सुनकर परिवार के लोग जाग गए और तेंदुआ भाग गया।

इस घटना के बाद, देर रात तेंदुए ने एक पालतू कुत्ते को भी उठा लिया। धौराभाठा गांव से लगभग 1 किलोमीटर दूर स्थित गांव खुदुरपानी में, बिरेंद्र नेताम के साथ उसकी पालतू कुत्ता था। जब वह लघुशंका के लिए बाहर निकला तेंदुए ने उसके सामने कुत्ते पर हमला किया और उसे जंगल में ले गया। मृत बच्ची के घर के पास सड़क पर भी तेंदुए को देखा गया। पिछले महीने, सिहवा थाना क्षेत्र के ग्राम कोरमूड में भी तेंदुए ने एक मासूम बच्ची ऋतिका मरकाम की जान ले ली थी।

वन विभाग की टीम ने स्थानीय गांवों में लोगों को सतर्क रहने और अपने बच्चों और पालतू जानवरों को सुरक्षित घर के अंदर रखने का अलर्ट जारी किया है। साथ ही विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए जाल बिछाकर प्रयास शुरू कर दिया है। ताकि ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बलौदाबाजार आगजनी और हिंसा में 12 एफआईआर

365 आरोपी गिरफ्तार, चालान पेश

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा केस में पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया। बलौदाबाजार एएसपी हेमसागर सिदार ने बताया- 10 जून को बलौदाबाजार के घटनाक्रम में आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस कार्यालय और संयुक्त जिला कार्यालय में आगजनी और तोड़फोड़ के मामले में दो मामले में कोर्ट में चालान पेश किया गया। अपराध क्रमांक 379/2024 में 60 और 380/2024 में 61 आरोपी बनाए गए। इस तरह दोनों मामलों में 121 अभियुक्तों के खिलाफ चालान पेश किया गया। आगजनी के मुख्य मामले में पुलिस ने 1325 और 1200 पेज का चालान पेश किया।

बलौदाबाजार एएसपी हेमसागर सिदार ने बताया कि इस मामले में अब तक 12 अलग अलग एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में अब तक 365 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव को भी बलौदाबाजार हिंसा मामले में 17 अगस्त को भिलाई से गिरफ्तार किया गया। 3 सितंबर तक यादव की रिमांड बढ़ा दी गई।

महकोनी गांव में 15 और 16 मई की दरमियानी रात अमर गुफा में जैतखाम काटे जाने के बाद सतनामी समाज का गुस्सा फूट गया। जिसके बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया लेकिन समाज के लोग इससे संतुष्ट नहीं हुए और सीबीआई जांच की मांग की। इसी घटना को लेकर 10 जून को बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में सभा की गई। जिसमें प्रदेशभर के सतनामी समाज के लोग शामिल हुए। सभा के बाद आक्रामक भीड़ ने बलौदाबाजार एसपी और कलेक्ट्रेट कार्यालय में आग लगा दी। सैकड़ों गाड़ियां फूंक दी गई।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामीणों को योजनाओं का मिल रहा लाभ

नारायणपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए शुरू की गई नियद नेल्लानार योजना (आपका अच्छा गांव योजना) के तहत नारायणपुर जिला प्रशासन ने पहली बार सुदूरवर्ती ग्राम मोहंदी में शिविर का आयोजन किया। इस योजना के अंतर्गत माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में 14 नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं, जिनके पांच किलोमीटर की परिधि में बसे गांवों में 25 से अधिक मूलभूत सुविधाएं और 32 व्यक्ति मूलक योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को दिलाया जा रहा है। नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड में ग्राम पंचायत कुतुल के आश्रित ग्राम मोहंदी में आयोजित राजस्व पखवाड़ा शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र और वृद्धा पेंशन योजना वन अधिकार पत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का वितरण किया गया और आवेदन लिया गया।

पार्षद पुत्र की गुंडागर्दी, जोन कार्यालय में मचाया हंगामा

दुर्ग। नगर निगम भिलाई के जोन 5 कार्यालय में कांग्रेस पार्षद सुभद्रा सिंह के बेटे ने जमकर हंगामा मचाया। रोबिन सिंह और उसके दोस्त भास्कर दुबे ने प्रभारी सहायक अभियंता दीपक देवांगन के साथ जमकर गाली गलौज की और उसके टेबल पर रखे सरकारी दस्तावेजों को फाड़कर जान से मारने की धमकी तक दे डाली। इस घटना के बाद डरे हुए प्रभारी सब इंजीनियर और उनका स्टाफ भिलाई नगर थाना पहुंचा, जहां उन्होंने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। दरअसल यह मामला सुभद्रा सिंह के वार्ड में सौंदर्यीकरण के काम में हुए खर्च के पैसों की लेनदेन को लेकर था। बताया जा रहा है कि 15 अगस्त की तैयारी के चलते वार्ड में मरम्मत के कुछ काम होने थे और इसी वक्त ठेकेदार शहर से बाहर था। इसके बाद सब इंजीनियर ने ठेकेदार से पार्षद के बेटे की बात कराई और इसी बीच मरम्मत का काम किया गया। इसके एवज में ठेकेदार को पार्षद के बेटे को पैसे देने थे, लेकिन अब पैसे दिलवाने का दबाव पार्षद सुभद्रा सिंह का बेटा सब इंजीनियर पर बनाने लगा।

पीएम जनमन आवास योजना से ममता की जिंदगी में खुशहाली

बलौदाबाजार - भाटापारा। जिला के वनांचल ग्राम बल्दाकछार की निवासी श्रीमती ममता कमार और उनके पति श्री पंच राम कमार को अब संघर्षों का सामना नहीं करना पड़ेगा क्योंकि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने श्रीमती ममता कमार और उनके परिवार की जिंदगी में नई रोशनी ला दी है। इस योजना के तहत उन्हें पक्का मकान मिल गया है,जिससे अब उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। अब, ममता और उनका परिवार एक सुरक्षित और मजबूत घर में रह रहा है, जहाँ वो और उनकी तीन बेटियाँ बिना किसी चिंता के अपने भविष्य की ओर बढ़ सकती हैं। श्रीमती कमार ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पक्के मकान ने उनके परिवार के जीवन को एक नई दिशा दी है और उनकी बेटियों के भविष्य के प्रति उन्हें आत्मविश्वास से भर दिया है। वनांचल ग्राम बल्दाकछार का यह कमार परिवार का जीवन-यापन बांस के कार्य पर निर्भर है।

अग्निवीर भर्ती के लिए निशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण 2 से

राजनांदगांव। अग्निवीर की लिखित परीक्षा में पास होने वाले छात्रों को अब फिजिकल फिटनेस की तैयारी करनी है। फिजिकल फिटनेस की परीक्षा 4 दिसंबर से 12 दिसंबर तक रायगढ़ में आयोजित की जाएगी। दूसरे चरण में फिजिकल फिटनेस की तैयारी के लिए 2 सितंबर से फ्री कोचिंग कैंप राजनांदगांव मे शुरु होने जा रहा है। थलसेना में अग्निवीर भर्ती के लिए अप्रैल महीने में लिखित परीक्षा ली गई थी। परीक्षा में पास होने वाले छात्रों को अब फिजिकल फिटनेस की तैयारी करनी है। अभ्यर्थियों फिजिकल परीक्षा में बेहतर कर सफल हो इसके लिए कोचिंग कैंप का आयोजन किया जा रहा है। फ्री कोचिंग कैंप का आयोजन 2 सितंबर से शहर के पीटीएस ग्राउंड में शुरु होगा। फ्री कोचिंग कैंप में आए छात्रों को अग्निवीर बनाने के लिए एक्सपर्ट टिप्स के साथ साथ ट्रेनिंग स्किल भी सिखाएंगे। जिन छात्रों को ट्रेनिंग लेनी है उनको 2 सितंबर 2024 की सुबह 7 बजकर 15 मिनट तक पीटीएस ग्राउंड पहुंचना होगा। सभी छात्रों को अपने साथ फोटो कॉपी, पासपोर्ट फोटो, लिखित परीक्षा में पास होने का सर्टिफिकेट लेकर आना है।

पेट में सरिया घुसाकर कोटवार की हत्या

कोरबा। कोरबा में पसान थानांतर्गत अंतगर्त लैंगा गांव में कोटवार का हत्या का एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात लोगों द्वारा लैंगी गांव में धारदार हथियार से गांव के कोटवार को मौत के घाट उतार दिया। पेट में चाकू से हमला किया गया है,जिससे उसकी सांसे उखड़ गई। मृतक का नाम रामदास महंत था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्यवाही शुरू की। बताया जा रहा कि मृतक कोटवार रामदास महंत लौंगा गांव का रहने वाला था गांव में उसका दो मकान है एक गांव के बस्ती में वही गांव के पास लगे सीमा में मकान बनाया हुआ है गुरुवार की शाम वह अपने विद्युत व्यवस्था बिगड़ने पर उसे ठीक करने गया हुआ था जहां घर से 200 मीटर की दूरी पर सड़क किनारे खेत में उसकी लाश रक्त रंजिश हालत में मिली। इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते ग्रामीण की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना पसान थाना पुलिस को दी गई।

मंत्री का जेठ बताकर रौब झाड़ना पड़ा महंगा

दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, लाइन अटैच हुए प्रधान आरक्षक फिर से पुलिस सहायता केंद्र में पदस्थ

अंबिकापुर। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और भटगांव विधानसभा की विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के रिश्तेदार को शराब पीकर पुलिसकर्मियों पर रौब झाड़ना महंगा पड़ गया। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों पर एफआईआर दर्ज किया है। दरअसल 25 अगस्त की रात को नशे में धुत्त दो लोग अपने आप को महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जेठ बताते हुए बस स्टैंड पर हुल्लड़बाजी कर रहे थे। इसकी सूचना पर पुलिस कर्मियों ने दोनों को पुलिस सहायता केंद्र लाया। यहां भी आरोपियों ने स्वयं को कैबिनेट मंत्री का जेठ बताते हुए जमकर हंगामा मचाया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।

इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने राजू राजवाड़े व राजू सिंह के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता व आबकारी एक्ट की धारा के तहत अपराध पंजीकृत किया है। बस स्टैंड में शराब के नशे में हंगामा मचाने वाले युवक को रोकने वाले प्रधान आरक्षक देव नारायण नेताम ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के बाद उनका मेडिकल कराया था। इसके बाद मामला हाईप्रोफाइल होने पर प्रधान आरक्षक पर उल्टा कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें लाइन अटैच कर दिया था। बाद में किरकिरी होने पर खंडन भी जारी किया था। इस प्रधान आरक्षक को पुन: बस स्टैंड के पुलिस सहायता केंद्र में पदस्थ कर दिया गया है।

दरअसल बस स्टैंड में शराब के नशे में पुलिस कर्मियों के साथ बहसबाजी करते हुए और स्वयं को कैबिनेट मंत्री का जेठ बताने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद कैबिनेट मंत्री की भी किरकिरी हुई। इसके बाद मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इस मामले में अपना बयानजारी करते हुए कहा कि कानून सबके लिए समान है। इस मामले में पुलिस को अपना काम बिना कोई दबाव के करना चाहिए। संभवत: पुलिस अधिकारियों ने भी विभाग की हो रही फजीहत को देखते हुए इस कार्रवाई को करने का आदेश दिया होगा।

साइकिल सवार महिला को ट्रेलर ने कुचला

गुस्साए ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले मे शनिवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट मे आने से साइकिल सवार एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी वाहन सहित मौके से फरार हो गया है। उक्त घटना घरघोड़ा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, रायगढ़ जिले के घरघोड़ा नगर के वार्ड नंबर 5 निवासी निर्मला डूंगडूंग पति प्रकाश डूंगडूंग आज सुबह सात बजे अपनी साइकिल से काम करने जन मित्रम स्कूल जा रही थी। महिला जब अपने घर से निकलकर बाईपास मार्ग पर पहुंची ही थी कि एक अज्ञात ट्रेलर चालक ने तेज और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए महिला को अपनी चपेट मे ले लिया। हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। जिसके बाद महिला को लहूलुहान हालत में अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ट्रेलर की चपेट मे आकर महिला की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने बताया की महिला को कुचलने के बाद भी आरोपी ट्रेलर चालक मौके पर रुका नहीं फरार हो गया। बहरहाल घरघोड़ा पुलिस आरोपी वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। ट्रेलर की चपेट मे आकर महिला की मौत हो जाने के बाद ग्रामीण भारी संख्या में बाईपास मार्ग पहुंचे। उन्होंने महिला के परिजनों को उचित मुआवजा और आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चक्काजाम शुरू कर दिया है। जिससे सड़क के दोनों तरफ भारी वाहनो की लंबी कतार लग गई है। मामले की जानकारी मिलते ही घरघोड़ा पुलिस भी मौके पर पहुंच चुकी है और आक्रोशित लोगों को समझाने के प्रयास मे जुटी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने अटल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय शनिवार को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह में शामिल होने बिलासपुर पहुंचे। इस मौके पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी भी मौजूद रहीं। राज्यपाल श्री डेका और मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वविद्यालय के प्रकल्प ज्ञानपथ, अटल मुक्ताकाशी मंच और अटल सरोवर का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे लगाये। इस अवसर पर केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री अमर अग्रवाल, श्री सुशांत शुक्ला, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री ए.डी. एन वाजपेयी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री साय 02 सितम्बर को देंगे 70 लाख महतारी-बहनों को तीजा का उपहार

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 02 सितम्बर को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होने वाले तीजा-पोरा महतारी वंदन तिहार के मौके पर 70 लाख महतारी-बहनों को तीजा पर्व के उपहार स्वरूप महतारी वंदन योजना की सातवीं किश्त जारी करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय इस योजना के तहत माता-बहनों के खाते में एक-एक हजार रूपए की राशि जारी करेंगे।

आकाशवाणी से विजय मिश्रा की कहानी का प्रसारण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार श्री विजय मिश्रा अमित की कहानी बूढ़ी माई की बुद्धि का प्रसारण आकाशवाणी से होगा। कार्यक्रम कथायन क्रम के अंतर्गत उक्त कहानी के प्रस्तुतकर्ता श्री उदय प्रकाश होंगे। सोमवार 2 सितम्बर को सुबह 8.30 बजे कहानी का प्रसारण आकाशवाणी से होगा। अंधविश्वास पर केंद्रित कहानी बूढ़ी माई की बुद्धि में नींबू -मिर्च को गूंथकर दूकान,गाड़ी में लटकाने की प्रथा पर कहानीकार विजय मिश्रा अमित ने करारा प्रहार किया है। जादू- टोना के टोटके की आड़ में नींबू मिर्च की भारी बरबादी को रोकने हेतु कहानी में बूढ़ी माई कहती है नींबू मिर्च को लटकाना फिर फेक देना किसानों की मेहनत का अपमान है। बिजली,पानी, खाद सहित किसानों के पसीने से उपजे नींबू- मिर्च का दान करना श्रेयस्कर कदम होगा।

सूर्यकांत तिवारी का बड़ा भाई रजनीकांत भी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ कोयला घोटाले मामले में ईओडब्ल्यू ने एक और गिरफ्तारी की है। ईओडब्ल्यू ने रजनीकांत तिवारी को आगरा से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रजनीकांत, सूर्यकांत तिवारी का बड़ा भाई है। इस मामले में सूर्यकांत पहले से ही जेल में बंद है। सूर्यकांत का चाचा लक्ष्मीकांत भी अंदर है। ईओडब्ल्यू ने रजनीकांत को 14 दिन की रिमांड पर ले लिया है।

सीजीपीएससी व्याख्याता पॉलिटेक्निक मेटलर्जी पदों के लिए इंटरव्यू 10 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने व्याख्याता (पॉलीटेक्निक संस्था) मेटलर्जी के पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन और साक्षात्कार के लिए सूचना जारी की है। 9 सितंबर को सभी अभ्यर्थियों को अपने दस्तावेजों के साथ पहुंचना होगा। जो अभ्यर्थी 9 सितंबर को नहीं पहुंचेगा, वह 10 सितंबर को इंटरव्यू में शामिल नहीं हो सकेगा। आयोग ने पहले जारी विज्ञापन क्रमांक 03/2015 के अंतर्गत 23 पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी, जिसमें 19 पदों पर चयन सूची 19 सितंबर 2016 को जारी की गई थी। इस संदर्भ में कोर्ट में दायर रिट याचिका क्रमांक 4951/2016 के आदेश के परिपालन में याचिकाकर्ता बेनीराम साहू, ओमकेश्वरी देवांगन, लीलाधर प्रसाद वर्मा और ओमप्रकाश का साक्षात्कार 10 सितंबर 2024 को आयोजित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में 18 से अधिक ट्रेनें रद्द रेलवे ने बताई ये बड़ी वजह

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक बार फिर 18 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इसके पीछे की वजह कई परियोजनाओं पर कार्य किया जाना बताया जा रहा है। बिलासपुर से झारसुगुडा के बीच तीसरी/ चौथी लाइन का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बिलासपुर-झारसुगुडा सेक्शन के भूपदेवपुर रेलवे स्टेशन को चौथी लाइन से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इस वजह से 18 ट्रेनें कैंसिल रहेगी। वहीं 6 ट्रेनें दूसरे रुट से चलेंगी और तीन ट्रेन बीच में ही रद्द कर दी गई हैं। रेलवे ने इस असुविधा के लिये खेद जताई है।

देवेंद्र यादव को प्रभारी सचिव बनाए जाने पर उप मुख्यमंत्री ने का तंज, कहा-

कांग्रेस हमेशा अपराध और अपराधियों के साथ खड़ी होती है : साव

रायपुर। कांग्रेस ने 25 राज्यों के प्रभारी सचिव बदले जाने और देवेंद्र यादव को प्रभारी सचिव बनाए जाने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जेल में बंद कार्यकर्ता को प्रभारी बनाना कांग्रेस की परंपरा है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से अपराध और अपराधियों के साथ खड़ी होती है। कोलकाता की घटना में कांग्रेस का मुंह बंद क्यों है। लड़की हूं, लड़ सकती हूं, कहां है।

तीजा-पोरा पर महिलाओं को साय सरकार उपहार देगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महतारी वंदन योजना की 7वीं किस्त जारी करेंगे। इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सरकार भी इस त्योहार में सहभागी बन रही है। 70 लाख से अधिक महिलाओं को हम महतारी वंदन का लाभ दे रहे हैं। तीजा के पर्व पर हमारी माता-बहनों को उपहार दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में 18 ट्रेनों के फिर से रद्द होने पर अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर विकास के काम पर राजनीति करती है। विकास से कांग्रेस पार्टी का कोई लेना-देना है ही नहीं। विकास के काम लगातार रेलवे में हो रहा है। कांग्रेस को देखना चाहिए 2014 के पहले रेलवे की क्या हालत थे। तेज गति से रेलवे विकास का काम कर रहा है। विकास के काम होते तो थोड़ा अवरोध होता है। देश के लोगों को विश्व स्तरीय सुविधा मिलेगी।

धर्मांतरण किए लोगों को आरक्षण मिलने के सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश भर में इसको लेकर विमर्श चल रहा है। इस पर विमर्श करके आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। आरक्षण की जिनको आवश्यकता है, उसके हकदार हैं, जो विमर्श चल रहा है वह किसी कन्क्लूशन पर पहुंचना ही चाहिए।

भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद के छत्तीसगढ़ दौरे पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सभी राजनीतिक दल को अपना कार्यक्रम करने का अधिकार है। कार्यक्रम से छत्तीसगढ़ में शांति सद्भाव को कोई प्रभाव न पड़े। कानून व्यवस्था पर किसी प्रकार का प्रभाव न पड़े। यह सुनिश्चित करना हम सब की जिम्मेदारी है।

राजधानी रायपुर के आईएसबीटी बस स्टैंड में महिला के साथ दुष्कर्म पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा छत्तीसगढ़ में हो रही घटनाओं के लिए सरकार और पुलिस तत्परता से कार्रवाई कर रही है। ऐसी घटनाएं रुकनी चाहिए, ऐसे अपराध में संलिप्त लोगों पर कठोरता से सरकार कार्यवाई कर रही है।

देवेंद्र यादव को बिहार का प्रभारी बनाए जाने पर चौधरी ने कसा तंज

प्रदेश के वित्तमंत्री ओपी सिंह झारखंड दौरे से राजधानी रायपुर लौटे। एयरपोर्ट में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने झारखंड दौरे को लेकर और देवेंद्र यादव को बिहार का प्रभारी बनाए जाने पर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि देवेंद्र यादव ने छत्तीसगढ़ की शांत फिजा को अशांत करने का काम किया है।

झारखंड में मिली जिम्मेदारी को लेकर वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि भाजपा संगठन

365 दिन 24 घंटे काम करता है। झारखंड में चुनाव है तो वहां जाकर कार्य में सहयोग कर रहे हैं। पर्दे के पीछे रहकर हमको काम करना होता है। संगठन जो भी काम कार्यकर्ताओं को देता है, उसे प्रतिबद्धता के साथ निभाया जाता है।

बिहार का प्रभारी देवेंद्र यादव को बनाए जाने पर वित्त मंत्री चौधरी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस अपराधीकरण को अपने सर्वोच्च स्तर पर ले गई है। देवेंद्र यादव ने छत्तीसगढ़ की शांत फिजा को असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर डिस्टर्ब करने का काम किया है।

मुद्दाविहीन है कांग्रेस, ओछी राजनीति चमकाने के लिए बयानबाजी कर रहे भूपेश : संजय श्रीवास्तव

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक वनवास झेलती, मुद्दाविहीन कांग्रेस और उसके नेता भूपेश बघेल जो पांच वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे, उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि उनके कार्यकाल में एफआईआर दर्ज कराने के लिए आत्महत्या तक करना पड़ता था । उनके कायकाल में हजारों दुष्कर्म, बेटियों के गायब होने की घटनायें होती रही थी। बावजूद वो हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग भी अनेक जगह ऐसे कृत्यों में शामिल रहते थे। जिस भूपेश-सरकार के एक मंत्री ने प्रदेश में महिलाओं के साथ होने वाले दुष्कर्म की घटनाओं को मामूली और छोटी बताया था और जिस घटना का भूपेश बघेल उल्लेख कर रहे हैं इसमें अपनी ओछी राजनीति चमकाने के लिए

घृणित कार्य करने का प्रयास भूपेश बघेल जी कर रहे हैं। यह उन्हें शोभा नहीं देता।

श्रीवास्तव ने आरोप लगाया बघेल समेत अनर्गल प्रलाप करते तमाम कांग्रेस नेताओं को याद दिलाया कि कैसे कांग्रेस के राज में रक्षाबंधन के दिन दो बहनों के साथ दरिंदगी हुई और उसके आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कांग्रेस के लोग हाथ-पैर मारते देखे गए। कैसे कांग्रेस के राज में शिक्षक दिवस के दिन एक आदिवासी शिक्षिका सामूहिक यौन दुष्कर्म की शिकार हुई, जिसमें एक आरोपी कांग्रेस का नेता शामिल था। कैसे कांग्रेस के राज में महिला दिवस के दिन राजधानी में महिलाओं पर अत्याचार-अनाचार की पराकाष्ठा की गई। कैसे राजधानी रायपुर में सरेराह खून से लथपथ एक नाबालिग युवती के बाल खींचते हुए हाथ में कटार लिए एक अधेड़ घूमता रहा। कैसे राजधानी के बीचो-बीच पुलिस अधिकारी के दफ्तर के पास एक इमारत में युवती लगातार दरिंदगी की शिकार होती रही और मामला सामने आने के बावजूद बघेल प्रियंका वाड्रा को लेकर भिलाई चले गए थे। विष्णुदेव साय की सरकार में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा।

आज से राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन, आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक से 30 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण माह का अयोजन किया जाएगा है। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक तुलिका प्रजापति ने समस्त कलेक्टर और जिला कार्यक्रम अधिकारियों को पत्र लिखकर राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के सफल आयोजन के लिए निर्देशित किया गया है।

राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के दौरान मुख्य रूप से एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और कुशल सेवा वितरण के लिए प्रौद्योगिकी, समग्र पोषण के थीम पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जानी है। राष्ट्रीय पोषण माह 2024 अंतर्गत एक से 30 सितम्बर तक प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले गतिविधि कैलेण्डर एवं सहयोगी विभागों की कार्य दायित्व की कार्ययोजना तैयार की गई है। पोषण माह के दौरान की जाने वाली समस्त गतिविधियों को जन आंदोलन के डैशबोर्ड पोर्टल पर अनिवार्यत: प्रतिदिन प्रविष्ठी किया जायेगा ।विभाग की संचालक तुलिका प्रजापति ने पोषण माह के प्रभावी सुचारू एवं परिणाम मूलक आयोजन एवं गतिविधियों के आयोजन में सम्मानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि, सहयोगी विभागों, स्वयं सेवी संस्थाओं, सार्वजनिक एवं निजी

क्षेत्रों की सक्रिय भागीदारी, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मण्डली, नेहरू युवा केन्द्रों, नेशनल कैडिट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना आदि की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

पूर्व वर्षों में राज्य में आयोजित पोषण माह, पोषण पखवाड़ा में विभिन्न सहयोगी विभागों एवं डेव्हलेपमेंट संस्थाओं का सक्रिय एवं परिणाममूलक सहयोग प्राप्त होता रहा है। इस वर्ष भी विभिन्न सहयोगी विभागों के मैदानी अमले के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए जिला, विकासखण्ड, ग्राम स्तर एवं प्रत्येक केन्द्र स्तर पर पोषण माह का आयोजन किया जाना है। पोषण माह 2024 का मुख्य उद्देश्य पोषण पंचायतों को सक्रिय करना है, इस हेतु ग्राम स्तर पर सरपंच एवं ग्राम पंचायतों को गतिविधियों का आधार बनाते हुए जनआंदोलन को जनभागीदारी के रूप में परिवर्तित करना है।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश के बाद गांजा तस्करी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़

पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत 8 को किया गिरफ्तार, 72 लाख की सम्पति जब्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस मादक पदार्थों के तस्करी के खिलाफ सक्रीय हो गई है। नशीले पदार्थ के तस्करों पर लगातार कारवाई की जा रही है। इसी कड़ी में रायगढ़ पुलिस ने गांजा तस्करी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गांजा तस्करी में जब्त हुए गांजा के 'फॉरवर्ड लिंक' एवं 'बैकवार्ड लिंक' स्थापित कर मुख्य आरोपी समेत 8 गिरफ्तार किया है और कुल 72 लाख की सम्पति जब्त की गई है।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए निर्देश दिए थे, जिसके बाद सीएम साय के निर्देश के बाद पुलिस एक्शन मोड पर आ गई है। यह पहली बार है जब पुलिस गांजा तस्करी के हर कड़ी पर सक्रीयता से एक्शन ले रही है। इसके साथ ही गांजा तस्करी के वित्तीय जांच करते हुए आरोपियों के बैंक अकाउंट को भी होल्ड करवाया जा रहा है। राष्ट्रीय एजेंसी नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अंतरर्राज्यीय पुलिस की मदद से आगे की कार्रवाई जारी है।

निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर से प्राप्त दिशा निर्देशों पर बिलासपुर रेंज आईजी डॉ0 संजीव शुक्ला एवं एसपी दिव्यांग पटेल के मार्गदर्शन पर बीते 28 अगस्त को जूटमिल पुलिस द्वारा कोड़ातराई के पास गांजा रेड की बड़ी कार्यवाही कर एक महिला समेत 05 आरोपी को पकड़ा गया था, जिनसे 175 किलो गांजा, एक अल्टो कार और एक छोटा हाथी पिकअप वाहन (कुल 43 लाख रूपये की संपत्ति) जप्त

किया गया था, गिरफ्तार मुख्य आरोपी संतराम खुंटे सक्ती (छ.ग.) और इनके साथियों से कड़ी पूछताछ की गई।

आरोपियों से प्रारंभिक गिरफ्तारी के बाद गहन पूछताछ की गई और गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके कार्यप्रणाली की जानकारी एकत्र कर पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर डॉ संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन पर रायगढ़ पुलिस एवं बिलासपुर पुलिस की 5 अलग अलग विशेष टीम बनाई गई जिन्हें अलग-अलग लोकेशन में रवाना किया गया, पुलिस टीमों ने सूझबूझ और अपनी व्यावसायिक क्षमता का बखूबी परिचय देते हुए जिला बउत (ओडिशा), जिला बिलासपुर, ग्राम पिहरीद व ग्राम चारपारा जिला सक्ती (छग) में दबिश देकर गिरोह के संपूर्ण नेटवर्क को ध्वस्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जु-जित्सु खिलाड़ियों ने की मुलाकात

सानिया परवीन ने सिल्वर और ब्रॉंज तथा शबा परवीन ने गोल्ड और सिल्वर मेडल जीते

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मंत्रालय महानदी भवन में जु-जित्सु खिलाड़ी सुश्री सानिया परवीन और सुश्री शबा परवीन ने मुलाकात की। इन खिलाडियों ने मध्य प्रदेश के देवास में 19 से 21 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रथम वेस्ट जोन जु-जित्सु चैंपियनशिप 2024 में गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉंज मेडल सहित कुल चार पदक जीते हैं। सानिया परवीन ने 21 वर्ष आयु वर्ग में जु-जित्सु कॉन्टेक्ट में सिल्वर और जु-जित्सु फाइटिंग स्पर्धा में ब्रांज मेडल तथा शबा परवीन ने अंडर 16 आयु वर्ग में जु-जित्सु कॉन्टेक्ट में सिल्वर मेडल तथा अंडर 18 आयु वर्ग में जु-जित्सु फाइटिंग स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। इन खिलाडियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को अपनी उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इन खिलाडियों की शानदार उपलब्धियों पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि सुश्री शबा परवीन ने अपने जन्मदिन 19 जुलाई को अंडर 16 आयु वर्ग की स्पर्धा में सिल्वर मेडल तथा अगले दिन 20 जुलाई को अंडर 18 आयु वर्ग की स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। इस अवसर पर इन खिलाडियों के पिता श्री लतीफ मोहम्मद भी उपस्थित थे।

तप और त्याग के महापर्व पर्युषण पर्व पर सीएम ने दी बधाई

जैन धर्म के मानने वालों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पर्युषण पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। छत्तीसगढ़ में रहने वाले सभी जैन धर्मावलंबियों को बधाई देते हुए सीएम ने कहा है कि पर्युषण पर्व हमारे जैन समाज का सबसे बड़ा पर्व है। शरीर और आत्मा दोनों को शुद्ध करने के लिए हमें अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जैन धर्म के बताए शांति के रास्ते पर चलना चाहिए। सीएम ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि भगवान महावीर ने जैन धर्म के लिए जो शिक्षाएं दी हैं उनका हम सभी को अनुसरण करना चाहिए। मान्यता है कि भगवान महावीर ने इस पर्युषण पर्व के दौरान शिक्षाएं दीं और जैन धर्म के मुख्य सिद्धांतों को लोगों के सामने रखा। पर्युषण पर्व मनाने का मूल उद्देश्य है आत्मा को शुद्ध बनाना, अपने ध्यान केंद्रित करना और खुद में दया और त्याग की भावना जगाना। मान्यता है कि पर्युषण पर्व पर आत्मविशुद्धि, संयम, त्याग और आत्मचेतना को विकसित करने का अच्छा अवसर होता है। ये महापर्व हमें अहिंसा, दया, क्षमा, प्रेम की राह पर चलना सिखाता है।

तीजा त्यौहार हमारी संस्कृति धरोहर को संजोकर रखने का एक माध्यम हैं: मंत्री राजवाड़े

भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित तीज महोत्सव में शामिल हुई महिला एवं बाल विकास मंत्री

कोरिया। बैकुंठपुर स्थित मानस भवन में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित तीज महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास व समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि तीज त्यौहार ने हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर और पारंपरिक मूल्यों की एक बार फिर याद दिलाई और हमारे समाज में महिलाओं की शक्ति और एकता की भावना को मजबूती प्रदान की।

तीज महोत्सव के इस भव्य आयोजन ने दर्शाया कि पारंपरिक पर्व और उत्सवों का आयोजन कैसे हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने और समाज में सामंजस्य बनाए रखने में मदद करता है। इस कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी कला और

सांस्कृतिक ज्ञान का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं, जैसे कि पारंपरिक तीज गीत, नृत्य, सजावट और खेल, ने इस उत्सव को और भी जीवंत बना दिया। महिला मोर्चा की पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी समर्पण और लगन ने इस आयोजन को एक विशेष अवसर बना दिया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी को स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट किए गए। जो इस आयोजन के प्रति उनके सम्मान और आभार का प्रतीक था।

कार्यक्रम के आयोजन में शामिल सभी अतिथियों और भागीदारों ने एक साथ मिलकर तीज की खुशियों का आनंद लिया और पारंपरिक पर्व की गरिमा को बनाए रखा। यह आयोजन एक सकारात्मक संदेश देने में सफल रहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सहयोग और एकता कितनी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री राजवाड़े ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा के इस सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त करती हूं। इस महोत्सव ने हमें यह याद दिलाया कि हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोकर रख सकते हैं और एकजुट होकर सामूहिक खुशियाँ मना सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी समाज को एकजुट करने और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रमोट करने के लिए होते रहेंगे। आप सभी को इस विशेष पर्व की ढेर सारी शुभकामनाएँ और भविष्य में भी इसी प्रकार के उत्सवों की प्रतीक्षा रहेगी। इस अवसर पर महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं सहित भारी संख्या महिलाएं मौजूद रहीं।

भीम आर्मी प्रमुख सांसद चंद्रशेखर की सभा, छत्तीसगढ़ में निकालेंगे यात्रा

रायपुर। भीम आर्मी के संस्थापक और सांसद चंद्रशेखर आजाद पार्टी के सामाजिक न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए शनिवार को रायपुर पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा कि सामाजिक न्याय यात्रा को मजबूत करने का काम हुआ है। पूरे प्रदेश भर से समस्या को लेकर रैली है।

बलौदाबाजार की घटना को लेकर भीम आर्मी के संस्थापक और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि सरकार के इशारे पर प्रशासन ने आरोपियों को बचाने और सतनामी समाज के लोगों पर जुर्म करने के लिए कार्रवाई की। यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। इसको लेकर पूरे देश में आक्रोश है।

उन्होंने पार्टी के आयोजन का जिक्र करते हुए कहा कि यह हमारी यात्रा का प्रथम चरण है, इसी तरह से और तीन यात्रा निकाली जाएगी। बड़ी-बड़ी सभाएं करके समाज को एकजुट करेंगे। सरकार द्वारा जो जुर्म किया जा रहा है, सरकार द्वारा जिन अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है, उसके खिलाफ हमारा मोर्चा जारी रहेगा।

बता दें कि रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में होने वाले कार्यक्रम के लिए वाटरप्रुफ डोम बनाए गए हैं। आयोजन में प्रदेश भर से बड़ी संख्या में भीम आर्मी के लोग शामिल होंगे। पहली बार बड़े पैमाने पर हो रहे पार्टी के आयोजन को लेकर राजनीतिक विश्लेषक भी नजर रखे हुए हैं।

सनातनियों को एकजुट रहने का मंत्र और विपक्ष की बौखलाहट

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुखर होकर सनातन धर्म और हिंदुत्व की बात करते हैं और निरंतर हिन्दू समाज को एकता और राष्ट्र प्रथम का सन्देश देते रहते हैं । बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही वीभत्स हिंसा का सन्दर्भ लेते हुए उन्होंने अपनी बात को और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा कि हम बटेंगे तो कटेंगे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का सीधा सन्देश हिन्दू समाज को जातियों में बाँटने से रोकने और हिन्दुओं के लिए इसके कुप्रभावों के प्रति जागरुक करना था। उत्तर प्रदेश में योगी जी के राज्य का मुखिया बनने के साथ ही सभी थानों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा है जिसने इस पर्व को प्रदेश में एक नया उत्साह दिया है। स्वाभाविक रूप से सेक्यलुर यानि हिन्दू विरोधी शक्तियों को यह उल्लास अच्छा नहीं लगता है। इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर योगी जी ने आगरा - मथुरा में कई कार्यक्रमों में भाग लिया और जन समुदाय को संबोधित किया। इनमें सबसे अधिक चर्चा उनके आगरा में मारवाड़ शासक महराजा जसवंत सिंह के सेनापति दुर्गादास राठौर की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए वक्तव्य की हो रही है। इस वक्तव्य में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता, राष्ट्र तभी सशक्त हो सकता है जब हम एकजुट रहेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में देख रहे हो न क्या हो रहा है? ऐसी गलती यहां नहीं होनी चाहिए, समाज जाति भाषा के नाम पर बांटने वाली ताकतों से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री ने श्री कृष्णजन्माष्टमी बधाई देते हुए कहा, पांच हजार वर्ष पूर्व श्रीकृष्ण ने धर्म पथ का अनुसरण करने को सत्य व न्याय का सन्देश दिया था। हम सभी लोकमंगल व राष्ट्रमंगल के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से कार्य करें। ताकि हम सभी मिलकर विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सर्वश्रेष्ठ योगदान कर सकें।इधर कई अवसरों पर मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म पर अपने विचार रख रहे हैं तथा स्पष्ट रूप से कहा है कि सनातन धर्म ही भारत का एकमात्र धर्म है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों से समावजादी मुखिया अखिलेश यादव और मुसलमानों के एकमात्र स्वयंभू नेता बनने के लिए लालायित एआईआईएएम के असदुद्दीन ओवैसी बौखला गए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि योगी प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। कम से कम उन्हें प्रधानमंत्री का रोल नहीं अदा करना चाहिए। यह वही अखिलेश यादव हैं जिन्होंने लोकसभा में चंद सीटें बढ़ते ही लखनऊ में अपने प्रधानमंत्री पद की चाहत वाले पोस्टर लगवा दिये गये थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदू जनमानस से बिल्कुल सटीक व स्पष्ट बात कह रहे हैं क्योकि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जिस तरह से अत्याचार हुए उस पर दुनिया में किसी ने भी कहीं भी कोई भी आवाज नहीं उठायी। बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में हिंदुओं पर लगातार आत्याचार होते आ रहे हैं किंतु किसी भी मानवाधिकारी की कलम नहीं चली और जो अमेरिका भारत में होने वाली छोटी मोटी घटनाओं पर उपदेश देता रहता उसके मन में कोई संवेदना नहीं जागी। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बांग्लादेश की घटनाओं पर कड़ी चिंता व्यक्त की तब कहीं जाकर कुछ सुस्ती टूटी है पर वह नाकाफी है तथा बांग्लादेश के दूरदराज के हिस्सों में अभी भी हिन्दुओं पर उसी प्रकार से अत्याचार किया जा रहा है। जिस तरह बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ बर्बरता की गई व पवित्र मंदिरों को ध्वस्त किया गया वह बहुत ही हृदय विदारक था। किंतु इस भयावह मानवीय त्रासदी पर मोमबत्ती हाथ में लेकर एक भी वामपंथी जुलूस नहीं निकला। भारत के तथाकथित वामपंथी व इंडी गठबंधन के सभी नेता व विचारक फिलीस्तीन और गाजा पर तो आंसू बहाते रहते हैं और सोशल मीडिया पर कैपेंन चलाते रहते हैं किंतु बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर मौन हो जाते हैं। इनकी सभी समीक्षाएं व चर्चायें पूरी तरह से हिंदू विरोध पर ही केन्द्रित रहती हैं क्योकि संगठित हिंदू इनका वोटबैक नहीं है।

मिस इंडिया विवाद सियासी शतरंज पर एक और चाल

नीरजा चौधरी

राहुल गांधी अपने शब्दों से लोगों का ध्यान खींचते हैं। वह जो कुछ भी बोलते हैं, वह खबर बन जाती है। आप पाएंगे कि कई राजनेता निजी तौर पर कभी-कभी यह स्वीकार करते हैं कि वह विवादों के कारण आगे बढ़े हैं, क्योंकि विवाद उन्हें खबरों में बनाए रखता है!

हाल ही में प्रयागराज में संविधान सम्मेलन में दिए गए राहुल के एक बयान पर विवाद छिड़ गया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने मिस इंडिया की सूची खंगाली, ताकि पता चल सके कि उसमें दलित, आदिवासी या ओबीसी महिलाएं हैं या नहीं। उस सूची में एक भी नहीं थी। उनके बयान का यह मतलब निकाला गया कि वह मिस इंडिया के प्रतिभागियों में भी आरक्षण के पक्ष में थे। इस पर छिड़ी बहस में जब महिलाएं और राजनीतिक दल शामिल हुए, तो उनमें से कुछ ने मिस इंडिया प्रतियोगिता में आरक्षण को जरूरी बताया, तो कुछ ने इसका विरोध किया। लेकिन इस बहस फिर से राहुल को दलित और ओबीसी राजनीति के केंद्र में ला दिया, जिसकी अब वह अगुआई करना चाहते हैं।

बहुत कम लोग इस पर सवाल उठाएंगे कि सभी जातियों और समुदायों की महिलाओं को मिस इंडिया जैसी प्रतियोगिता में भाग लेने का अधिकार है, और यह भी कि इसमें सभी महिलाओं के लिए समान अवसर होना चाहिए। फिर यह सवाल उठता है कि समाज में आरक्षण का दायरा कितना है? इस समय सरकारी नौकरियों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण है और विधायिकाओं में एससी एवं एसटी के लिए आरक्षण है। समय-समय पर मांग उठती रहती है कि आरक्षण को निजी क्षेत्रों में भी लागू किया जाए। परोक्ष रूप से मिस इंडिया प्रतियोगिता में आरक्षण की वकालत करके राहुल यह संकेत भी दे रहे हैं कि इसे निजी क्षेत्र में लागू किया जाना चाहिए।

दलित-वंचित लोगों को आगे बढ़ने का अवसर देने के लिए संविधान ने सामाजिक रूप से (जातिगत भेदभाव के कारण) एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों (आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए नहीं) के लिए आरक्षण का प्रावधान किया है। लेकिन क्या किसी को जाति के आधार पर पूरे समाज की संरचना करने का मामला बनाना चाहिए, जिससे समूहों को उनकी आबादी के अनुपात में लाभ मिले? ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने के लिए सुधार के उपाय किए जाने चाहिए, लेकिन संघर्ष के कारण समाज में दरार न पड़े, इसके लिए संतुलन और बीच का रास्ता भी होना चाहिए। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के लिए 50 फीसदी की सीमा तय की थी, हालांकि कई राज्यों ने इससे ज्यादा आरक्षण का प्रावधान कर दिया।

सबसे पहले, जब हम महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं, राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और अन्य नेता भी महिलाओं और अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं को महसूस कर रहे हैं, तो पहले राजनीतिक दलों को अपनी ईमानदारी साबित करने दीजिए। उन्हें अपने राजनीतिक संगठन में 50 फीसदी महिलाओं को लाने दीजिए। वे उन्हें पर्याप्त टिकट दें, ताकि 50 फीसदी महिलाएं (और उनमें से ज्यादा एससी, एसटी और ओबीसी) लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में चुनकर आ सकें और सरकार में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। यह सब राजनेताओं के ही हाथ में है, जो उनके बारे में इतनी बातें कर रहे हैं।

दूसरा, दलित, आदिवासी और ओबीसी महिलाएं पैसे और संपर्कों की कमी के कारण मिस इंडिया प्रतियोगिता में नहीं पहुंच पाई हैं। इसका जाति से ज्यादा वर्ग से संबंध है। भारत में आयोजित होने वाली सौंदर्य प्रतियोगिताओं की प्रवृत्ति जितना सौंदर्य के बारे में पश्चिमी विचारों को उजागर करने की है, उतना भारतीय विचारों की नहीं। हालांकि राहुल इस ओर ध्यान नहीं देते हैं, क्योंकि वह जीवन के हर क्षेत्र में एससी-एसटी-ओबीसी की मौजूदगी की कमी पर ध्यान केंद्रित करते हैं। राहुल गांधी ने-और यह भाजपा एवं अन्य पार्टियों के लिए भी सच है-सामाजिक रूप से दबे-कुचले लोगों को ऊपर उठाने के लिए आरक्षण की वकालत सही ढंग से की है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि ये पार्टियां एससी, एसटी के अधिक जरूरतमंद लोगों तक आरक्षण का लाभ पहुंचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुझाए गए उप-वर्गीकरण को स्वीकार करने में अनिच्छुक हैं। प्रमुख जातियां आरक्षण का लाभ अपने कम भाग्यशाली भाइयों से साझा नहीं करना चाहती हैं और राजनीतिक दल अनुसूचित जातियों के प्रमुख समूहों (जैसे जाटव) के वोट खोना नहीं चाहते हैं। साफ है कि राहुल गांधी ने मंडल-2 कार्ड खेलने का फैसला किया है, और जाति जनगणना की मांग उसी राजनीति का हिस्सा है। उन्हें उम्मीद है कि वह इन उभरते समूहों के बीच पनप रही आकांक्षा क्रांति के अगले चरण का लाभ उठाएंगे और उनकी आवाज बनेंगे।

1990 में विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करके भारतीय राजनीति को हमेशा के लिए बदल दिया। राजीव गांधी ने उस फैसले का विरोध किया था, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे जाति युद्ध छिड़ सकता है। लेकिन राहुल दूसरे रास्ते पर चल रहे हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का जाति कार्ड काम कर गया। इससे भाजपा हैरान रह गई। पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने कभी बनिया-ब्राह्मणों की पार्टी कही जाने वाली भाजपा में ओबीसी, खास तौर पर अत्यंत पिछड़ी जातियों (ईबीसी), आदिवासी और दलितों के एक वर्ग को शामिल किया। लेकिन आरक्षण खत्म होने के भय से दलितों का एक वर्ग इंडिया गठबंधन के खेमे में चला गया और वैसा ही उत्तर प्रदेश में ईबीसी ने किया। इसने भाजपा को स्पष्ट बहुमत से वंचित कर दिया, जिसके चलते पार्टी को फैसले लेने में परेशानी हो रही है और उसे अपने कई फैसले वापस लेने पड़े हैं।

लगता है कि पार्टी को 2024 के अप्रत्याशित नतीजों ने बेचैन कर दिया है। मोदी-3 के सामने चुनौती अपनी ताकत कम होने की नहीं है; बल्कि नई परिस्थितियों के अनुसार कामकाज का परामर्शी तरीका अपनाना है। साथ ही, ओबीसी-दलितों को वापस अपने पाले में लाना है, जो दूसरी तरफ चले गए हैं। मिस इंडिया विवाद सियासी शतरंज पर राहुल गांधी की एक और चाल है, ताकि दलित, आदिवासी और ओबीसी को अपनी पार्टी के पक्ष में लामबंद किया जाए। यह किस हद तक काम करेगा, यह देखने वाली बात होगी। उत्तर भारत में ओबीसी कांग्रेस का पारंपरिक मतदाता नहीं रहा है। यह सपा और राजद का वोटबैंक रहा है, जो आज कांग्रेस के सहयोगी हैं, जिन्हें आने वाले समय में इस राजनीति से खतरा महसूस हो सकता है।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रक्षिप्त-पाठ (भाग-9)

गतांक से आगे...

आर्य- संस्कृति को कुछ भी बट्टा नहीं लग सकता क्योंकि आर्यजाति का तो यह अटल सिद्धांत है कि ऐतिहासिक पुरुषों का कौन कहे अपने माता पिता और साक्षात् गुरु का आचरण भी शिष्य के लिए वहीं तक अनुकरणीय हो सकता है जहां तक कि वह धर्मानुकूल हो। अतएव हमारे यहां गुरु लोग अपने शिष्य को पहिले पाठ में ही यह शिक्षा दे छोड़ते हैं कि -यान्यस्माक सुचरितानि तानि त्वयोपास्यानि नो इतराणि (तैत्तिरीय प्रपा0 अनु0 11) अर्थात् - हे शिष्य! तुम्हें हमारे धर्मानुकूल श्राचरणों का ही अनु- करण करना चाहिए, जीव सुलभ पापाचरणों का नहीं।

इस प्रकार इतिहास पुराणादि वणित पूर्वजों के आचरण यदि किसी अंश में हमें धर्मानुमोदित प्रतीत न हों तो वे इतिहास में ज्यों के त्यों लिखे रहने पर भी हमें किंचिन्मात्र कर्तव्य पथ से नहीं हटा सकते, बल्कि कर्तव्यपथ की कठिनाइयों की सूचना देकर अत्यधिक दृढ़ बना सकते हैं। महाभारत में युधिष्ठिर की धूतक्रीड़ा के परिणामस्वरूप द्रोपदी-नग्नकरण, वनसंकट-सहन और अन्त में सर्वान्तकारी भयंकर संग्राम को पढ़कर प्रत्येक समझदार वेद की अक्षैमी दीव्य उक्ति का महत्त्व समझ सकता है। यदि इसे श्रार्यसमाज की नीति का अवलम्बन करके प्रक्षिप्त के ठकोसले से निकाल दिया जावे तो सर्वसाधारण द्यूत के कुपरिणाम समझने से वञ्चित रह जायगा अत: ऐतिहासिक सत्य को प्रक्षिप्त कहकर निकालना अपनी आने वाली सन्तति पर वज्र डहाना है। ऐतिहासिक तथ्यों को मिटा कर पूर्वजों को षोडश कला पूर्ण चन्द्र बनाने की बजाय हमें मानव प्रवृत्ति-सुलभ पतन के दुष्परिणामों को देखकर स्वयं को सुचरित्र बनाने का प्रयास करना चाहिये। अनादि काल से आर्य जाति का यह सर्वतन्त्र सिद्धान्त चला आता है कि धर्मनिर्णय में वेद ही सब से बड़ा साधन है।

क्रमश: ...

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

शिवानी अवस्थी

भारत जैसे देश में आज भी कुपोषण एक गंभीर समस्या है। कुपोषण के कारण बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है और वे विभिन्न बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। पोषण के सही स्तर को बनाए रखना न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

पोषण की जरूरत को समझते हुए भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की शुरुआत की गई। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह भारत सरकार का एक अभियान है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोग सही आहार के महत्व को समझें और अपने दैनिक जीवन में पोषण तत्वों से भरपूर भोजन को शामिल करें।

इस अभियान के तहत हर साल साल 1 से 7 सितंबर तक पूरे भारत में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन लोगों में सही आहार के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए किया जाता है। इस सप्ताह के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार और सही पोषण के महत्व के बारे में जानकारी दी जाती है, ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ और सशक्त जीवन जी सके।

हर साल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2024 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की थीम है- सभी के लिए पौष्टिक आहार।

इस थीम के तहत, लोगों को संतुलित आहार की अवधारणा और उसके लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा। यह थीम बताती है कि एक स्वस्थ और संतुलित आहार किस प्रकार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह से आप भी अपने सेहत के प्रति सचेत होते हुए आहार में पौष्टिक चीजों को शामिल करें। कुछ ऐसे आहार हैं, जिनका नियमित सेवन काफी स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। इसमें मेवे, हरी सब्जियां, दही, ओट्स आदि शामिल हैं।

मेवे- बादाम, अखरोट और काजू जैसे मेवे स्वस्थ वसा, प्रोटीन और मिनरल्स का अच्छा स्रोत होते हैं। जिसमें बादाम विटामिन श्र, प्रोटीन, फाइबर और स्वस्थ वसा का एक अच्छा स्रोत है। यह मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। प्रतिदिन मेवे का सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह दिमागी विकास में मदद करता है, खासकर बच्चों के लिए। मेवे का सेवन त्वचा में निखार भी लाता है।

ओट्स-ओट्स एक सम्पूर्ण अनाज है जिसमें फाइबर, विटामिन क्र और मिनरल्स जैसे आयरन और मैग्नीशियम पाए जाते हैं। यह नाश्ते के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प है। ओट्स का सेवन हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। इसके साथ ही पाचन में सुधार करता है और कब्ज से बचाता है। वहीं ओट्स के नियमित सेवन से वजन नियंत्रित रहता है और ब्लड शुगर का स्तर भी स्थिर रहता है।

अमेरिका में चुनाव क्या नीतियों पर लड़े जा रहे हैं?

मिहिर एस शर्मा

वर्ष 2024 को परिभाषित करने वाले राष्ट्रीय चुनावों का अंतिम चरण तेजी से निकट आ रहा है। चुनावों में रुचि रखने वालों के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण वर्ष है। अमेरिकी नागरिकों को भी जल्द ही अपनी नई सरकार चुननी है। अब्राहम लिंकन भले ही रिपब्लिकन थे, लेकिन इस समय 'लोगों के लिए' नारे के साथ डेमोक्रेट उनके चोले में नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल बनता है कि क्या चुनाव नीतियों पर लड़े जा रहे हैं?

डेमोक्रेटिक पार्टी को हालिया ओपिनियन पोल्स में बढ़त मिली है भले ही वह जीतने के लिए पर्याप्त नहीं हो। निवर्तमान बुजुर्ग राष्ट्रपति की जगह युवा उप राष्ट्रपति को उम्मीदवार बनाना पार्टी की संभावनाओं में पर्याप्त इजाफा करने वाला माना गया। आंकड़े बताते हैं कि कमला हैरिस के अभियान में दानदाताओं की माध्य आयु 56 वर्ष है जबकि जो बाइडन के लिए यह आंकड़ा 66 वर्ष था।

यह तब हुआ जबकि नीतियों में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया। आखिरकार उपराष्ट्रपति स्वयं को राष्ट्रपति की नीतियों से अलग तो बता नहीं सकतीं। कुछ हद तक हैरिस की बातें बाइडन से अलग जरूर हैं। उदाहरण के लिए पश्चिम एशिया में शांति की बात। उन्होंने इजरायल के बचाव पर भी ध्यान दिया और फिलिस्तीनियों के अधिकारों की भी बात की। उनके अभियान को व्यापक नीतिगत पहल के मोर्चे पर शिथिल बताकर जो आलोचना की जा रही है वह भी उचित प्रतीत होती है। परंतु माहौल बन चुका है तो नीतिगत प्रस्ताव की कोई अहमियत बचती भी है? शायद कुछ खास हालात में ऐसा हो।

उदाहरण के लिए वे आपको नकारात्मक दर्शा सकते हैं। पिछले हफ्ते डेमोक्रेटिक नैशनल कन्वेंशन में एक के बाद एक वक्ताओं ने उन योजनाओं और पहलों का जिक्र किया, जिन्हें वॉशिंगटन डीसी के दक्षिणपंथी थिंक टैंक द हेरिटेज फाउंडेशन ने रेखांकित किया था। उन्होंने इसे 'प्रोजेक्ट 2025' नाम के प्रकाशन में सामने रखा था। इसके तहत ऐसी नीतियां पेश की गईं, जिन्हें डॉनल्ड ट्रंप के संभावित दूसरे प्रशासन में तत्काल लागू किया जा सकता है। ट्रंप ने खुद को इससे अलग कर लिया है मगर रिपोर्ट लिखने वालों का ट्रंप का प्रचार करने वालों के साथ करीबी रिश्ता देखते हुए यह इनकार बहुत मायने नहीं रखता।

ट्रंप के लिए यह हर तरह से गड़बड़ है। एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर नीतिगत ब्योरों में नहीं पड़ता है या बड़ी किताबें नहीं पढ़ता है, उसे 920 पन्नों के नीतिगत दस्तावेज से बचना पड़ रहा है। उन्हें 2016 में बिना किसी नीतिगत ब्योरे के जीत मिली थी। वह अब भी ऐसे ब्योरों में जाने से बचना चाहेंगे। इसके बजाय उनके अभियान को गर्भपात और शिक्षा जैसे मुद्दों पर ध्यान देना होगा, जिन्हें वह अनसुलझा छोड़ना चाहेंगे। डेमोक्रेट राजनेता पीट बटीगीग ने कहा कि वर्ष का सबसे बड़ा स्कैंडल दरअसल एक नीतिगत स्कैंडल है और वह यह तथ्य है कि उन्होंने अपनी नीतियां खुद लिख लीं।

यहां भारतीय जनता पार्टी के सामने आई उस समस्या की झलक दिखती है, जब उसे चुनावों में संवैधानिक गारंटी वाले आरक्षण से जूझना पड़ा था। नीतिगत प्रस्ताव महत्वपूर्ण होते हैं और यदि जरूरी हो तो आपको या आपकी पार्टी को परिभाषित भी कर सकते हैं। यूनाइटेड किंगडम में लेबर पार्टी ने इस वर्ष के आरंभ में संसदीय चुनाव में अपने घोषणापत्र को जिस प्रकार से पेश किया गया था, वह इसका उदाहरण हो सकता है। उनके दावों का सबसे अहम पहलू यह था कि सबकी कीमत बताई गई थी।

दूसरे शब्दों में उनके घोषणापत्र में हर चीज के बारे में साफ और पारदर्शी तरीके से बताया गया था कि उससे राजकोष पर कितना बोझ पड़ेगा। इससे पार्टी का वाम धड़ा नाराज हो गया। परंतु यह कियर स्टार्मर की लेबर पार्टी को उनके पूर्ववर्ती जेरेमी कॉर्बीन की लेबर पार्टी से अलग दिखाने का एक उपयोगी तरीका था, जिनके 2019 के अभियान में सभी प्रकार के खर्च के वादे शामिल थे। इनमें से कुछ वादे तो अंतिम दिनों में बिना किसी खास सोच विचार के जोड़े गए थे।

इस बात ने लेबर पार्टी को कंजरवेटिव पार्टी से भी अलग किया जिसने लिज ट्रस्ट के अल्पकालिक प्रशासन में अप्राप्त कर कटौती प्रस्तावों के बाद गैर जवाबदेही से ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को ध्वस्त कर दिया था। किसी चुनाव में नीतिगत दलीलें तब दिक्कत कर सकती हैं, जब आने वाले समय में आपको शासन करना हो।

लेबर पार्टी ने प्रवासियों के साथ कठोरता बरतने की नीतियों का वादा किया था, लेकिन उसने इस सवाल को हल नहीं किया कि एकीकरण और आत्मसात करने के सवालों से घरेलू स्तर पर कैसे निपटा जाए। परंतु अब इनमें से बाद वाला बिंदु अहम प्राथमिकता है क्योंकि इस महीने देश के अलग-अलग हिस्सों में दंगे देखने को मिले। सरकार पहले किए गए वादे के बजाय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में व्यय बढ़ाने के बहाने तलाश रही है।अगर हैरिस चुनाव जीतती हैं तो उन्हें खुद को उस कदर नहीं रोकना होगा। आखिर में अमेरिकी चुनाव में जो मुद्दे अहम होंगे वे हैं- गर्भपात, मुद्रास्फीति और अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिति। ये सभी ऐसे मुद्दे नहीं हैं, जिन पर राष्ट्रपति पहले दिन या पहले साल नीतिगत घोषणा करके नियंत्रण हासिल कर लें। यहां उनका तर्क अनिवार्य रूप से नकारात्मक है कि नीति और प्रशासन को लेकर दूसरे प्रत्याशी का रुख गलत है और उनका सही। अनुभूतियों और नीतियों के बीच की सीमा संकीर्ण है। भारत में यह आम रुख है।

कुछ चुनावों के नतीजे घोषणा पत्रों से तय हुए हैं लेकिन अक्सर घोषणा पत्रों को ऐसे निर्देश के रूप में देखा गया है कि प्रतिद्वंद्वी दल किस प्रकार शासन करेंगे। कम से कम एक प्रमुख दल यानी बहुजन समाज पार्टी ने दशकों पहले घोषणापत्र की परंपरा को ही बंद कर दिया। उसके नेताओं ने उचित ही दावा किया कि अतीत से चली आ रही प्रतिकूलताओं और विभाजनों से परिभाषित देश में जहां नीति की दिशा पर उचित आम सहमति है, यह अहम है कि प्रशासन कितना प्रभावी और समावेशी हो सकता है।

यह ध्यान देना होगा कि अतीत में बहुजन समाज पार्टी को इसमें उल्लेखनीय सफलता भी मिली है। यह राह दिखा सकता है कि विपक्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किस प्रकार निपटना चाहिए। मोदी का लंबे समय से चला आ रहा सत्ता प्रतिष्ठान लक्ष्य तय करना पसंद करता है, लेकिन वह हमेशा उन सुधारों पर आगे नहीं बढ़ता जो उन लक्ष्यों की प्राप्ति को संभव बना सकते हैं।

यहां कहा जा सकता है कि मतदान करने वाले मोदी और उनकी पार्टी पर भरोसा करते हैं कि वे किसी अन्य विकल्प की तुलना में बेहतर ढंग से लक्ष्य प्राप्त करेंगे। विपक्ष किसी भी नीति या सुधार के अंतिम तौर पर घोषित होने पर उसकी आलोचना कर रहा है चाहे मामला कृषि का हो, जमीन का या लैटरल एंट्री अर्थात सीधी भर्ती का। उन्हें जनता को यह विश्वास दिलाना होगा कि जो भी नीतियां चुनी जाती हैं उन्हें लागू करने के लिए मौजूदा लोगों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यह ज्यादा कठिन है।

आज का इतिहास

1863 6 वें ओहियो कैवेरी ने बारबीस क्रॉसरोड्स वर्जीनिया पर हमला किया।
1866 प्रथम हवाईयन दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित किया।
1878 पहली महिला टेलीफोन ऑपरेटर ने काम करना शुरू किया (बोस्टन में एम्मा नोट)।
1878 अलेक्जेंडर ग्राहम बेल द्वारा संचालित, एम्मा नट दुनिया की पहली महिला टेलीफोन ऑपरेटर बन गई।
1878 अलेक्जेंडर ग्राहम बेल द्वारा किराए पर, एम्मा नट दुनिया की पहली महिला टेलीफोन ऑपरेटर बन गई।
1880 मोहम्मद अयूब खान की सेना को अंग्रेजों ने कंधार के ब्रेट में भेज दिया, दूसरा एंग्लो-अफगान युद्ध समाप्त कर दिया।
1902 पहली साइंस फिक्शन फिल्म, जिसका शीर्षक ए ट्रिप टू द मून था और जो फ्रॉम द अर्थ टू द मून टू जूलस वर्ने के आधार पर फ्रांस में रिलीज हुई थी।
1902 पहली साइंस फिक्शन फिल्म, जिसका शीर्षक था ए ट्रिप टू द मून एंडबेडेड ऑन द अर्थ फ्रॉम द मून टू जूल्स वर्ने, इनफ्रांस रिलीज़ किया गया था।
1914 यात्री कबूतर, जो कभी कम से कम 3 बिलियन पक्षियों की आबादी था, विलुप्त हो गया, जब अंतिम व्यक्ति की मृत्यु हो गई।
1923 ग्रेट कांटो भूकंप, रिक्टरस्केल पर 7.9 मापी गई, जापान के कांटो क्षेत्र में, टोक्यो और योकोहामा को तबाह कर दिया, और अनुमानित 100,000 से अधिक लोगों को मार डाला।
1928 अल्बानियाई गणराज्य के राष्ट्रपति अहमत ज़ोगू ने घोषणा की कि देश अब एक संवैधानिक राजशाही है और खुद का राजा है जिसका नाम रेगोग । है।
1939 द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत जर्मनी द्वारा पौलेंड पर किये गए आक्रमण के साथ हुई।
1939 यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर नाजी जर्मनी ने विल्नु और वेस्टरप्लैट में पोलैंड पर आक्रमण किया।
1939 यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर नाजी जर्मनी ने वेल्नु और वेस्टरप्लैट में पोलैंड पर आक्रमण किया।
1951 संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने रक्षा संधि पर हस्ताक्षर करते किया जिसे एएनज़स संधि कहा गया।
1957 जमैका के रेलवे दुर्घटना में 175 लोग मारे गए।
1958 पहला कॉड युद्ध यूनाइटेड किंगडम और आइसलैंड के बीच शुरू हुआ।
1965 उत्तर कोरिया के खिलाफ अमेरिकी सेना के अभियान के तहत, संयुक्त राज्य अमेरिका की सेनाओं को हांगकांग से बाहर निकालने की अनुमति देने के लिए चीन ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आधिकारिक विरोध शुरू कर रहा है।

उपचुनावों को लेकर सीएम योगी की रणनीति

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में जीत दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद को पूरी तरह सक्रिय कर लिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को प्रदेश में बड़े झटके का सामना करना पड़ा था, जिससे अब ये उपचुनाव पार्टी के लिए बेहद अहम हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने 15 अगस्त के बाद से लगातार अलग-अलग जिलों का दौरा करके बीजेपी के लिए जीत की रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को साधने और विकास परियोजनाओं के जरिए जनता की नाराजगी दूर करने का प्रयास किया है, ताकि बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाया जा सके।

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में मीरापुर, गाजियाबाद, अलीगढ़ की खैर, करहल, कुंदरकी, फूलपुर, मिल्कीपुर, कटेहरी, मझवां और सीसामऊ जैसी सीटें शामिल हैं। इनमें से नौ सीटें 2024 के लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद बनने के कारण खाली हुईं, जबकि सीसामऊ सीट समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी के सजा होने के कारण खाली हुई है। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इनमें से तीन सीटें जीती थीं, जबकि पांच सीटें समाजवादी पार्टी के पास थीं। शेष दो सीटों पर राष्ट्रीय लोकदल और निषाद पार्टी के विधायक काबिज थे।

बीजेपी के लिए ये उपचुनाव सिर्फ अपनी तीन सीटों को बचाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सपा के दबदबे वाली सीटों पर विजय हासिल करके 2024 के लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान की भरपाई करने का अवसर भी हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को छह सीटों पर सपा से कम वोट मिले थे, जिससे पार्टी की चिंता बढ़ गई थी। यही कारण है कि बीजेपी ने इन उपचुनावों को 2027 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनावी अभियान को प्राथमिकता दी है। उन्होंने खुद मैदान में उतरकर सियासी माहौल बनाने का मिशन शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी ने 15 अगस्त के बाद से प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा शुरू किया। अंबेडकर नगर से इस अभियान की शुरुआत हुई और इसके बाद अयोध्या, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़ और कानपुर जैसे महत्वपूर्ण जिलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। हर जिले में पांच हजार से लेकर 17 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जिससे बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की गई है।

योगी आदित्यनाथ उपचुनाव वाले उन जिलों का दौरा कर रहे हैं, जहां रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन मेलों में युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। इसके अलावा, योगी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी कर रहे हैं। उन्होंने लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रमाण पत्र और छात्रों को टैबलेट्स वितरित किए हैं। इससे स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री योगी ने उपचुनाव वाली सीटों पर बीजेपी के लिए मजबूत आधार तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

बीजेपी की रणनीति में विकास, रोजगार और संवाद को मुख्य हथियार बनाया गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को युवाओं की बेरोजगारी को लेकर मिली नाराजगी का सामना करना पड़ा था, जो पार्टी की हार का एक प्रमुख कारण बना। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को साधने की कोशिश की है। इन मेलों के माध्यम से युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उनकी नाराजगी को कम किया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी ने अपनी जनसभाओं में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने हिंदुत्व के एजेंडे को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया है, ताकि बिखरे हुए हिंदू वोटों को एकजुट किया जा सके। योगी आदित्यनाथ ने हर जिले में उपचुनाव वाली सीटों के नेताओं के साथ बैठकें कीं और पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने न केवल राजनीतिक मोर्चे पर बल्कि शासन स्तर पर भी तैयारी की है, जिससे बीजेपी की जीत सुनिश्चित हो सके।

योगी आदित्यनाथ ने इन 10 सीटों पर जीत की जिम्मेदारी खुद संभाल ली है। उन्होंने दोनों डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष को भी इस चुनावी अभियान में शामिल किया है, जिनके जिम्मे दो-दो विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को भी मैदान में उतार दिया है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में बीजेपी के लिए जीत सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।

इन उपचुनावों में बीजेपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती सपा की मजबूत सीटें हैं। करहल, कुंदरकी, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ जैसी सीटें बीजेपी के लिए कठिन मानी जा रही हैं। इसके अलावा, मझवां, मीरापुर और फूलपुर जैसी सीटें भी पार्टी के लिए आसान नहीं हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम पूरी तरह से इन सीटों पर फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनावी अभियान को गंभीरता से लेते हुए पूरी ताकत झोंक दी है। रोजगार, विकास और संवाद के माध्यम से बीजेपी की रणनीति को मजबूत किया जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री योगी की यह मेहनत बीजेपी को उपचुनावों में कितनी सफलता दिला पाती है और पार्टी इस जंग को कैसे फतह करती है।

ए.जी. नूरानी ने जिन्ना और भुट्टो को किया था बेनकाब

विवेक शुक्ला

विधिवेत्ता और प्रख्यात लेखक ए.जी. नूरानी का 94 साल की उम्र में गुरुवार को मुंबई में निधन हो गया। उनकी शख्सियत का सबसे अहम पहलू यह था कि वे तर्कों और साक्ष्यों के आधार पर अपनी बात रखते थे, हवा-हवाई बातें नहीं करते थे। नूरानी ने भारत-चीन संबंधों, कश्मीर और भगत सिंह के मुकदमे के अलावा भी कई किताबें और सैकड़ों शोधपरक लेख लिखे। उनकी दिलचस्पी के विषयों में पाकिस्तान भी था। उन्होंने ही पहली बार लिखा था कि मोहम्मद अली जिन्ना की नीतियों के कारण हैदराबाद रियासत के भारत में विलय में दिक्कतें आईं। नूरानी ने ही दुनिया को बताया था कि देश के बंटवारे से कुछ समय पहले तक जिन्ना एयर इंडिया के शेयर खरीद रहे थे। उन्हें

लग रहा था कि इससे उन्हें लाभ हो जाएगा। जिन्ना अपनी सारी इनवेस्टमेंट बहुत सोच-समझकर करते थे। नूरानी मानते थे कि जिन्ना के मन में कहीं न कहीं शंका थी कि पाकिस्तान सच में दुनिया के नक्शे में आ ही जाएगा, इसलिए जिन्ना अपने पैसे का इनवेस्ट उन दिनों भी कर रहे थे जब पाकिस्तान के लिए आंदोलन अपने चरम पर था। नूरानी ने जुल्फिकार अली भुट्टो की भी कलई खोली थी। उन्होंने साबित किया था कि अपने को सबसे बड़ा पाकिस्तानी बताने वाला इंसान तो 1958 तक भारत का नागरिक बना हुआ था। ए.जी. नूरानी ने अपने एक लेख में दावा किया था कि भुट्टो पाकिस्तान बनने के 11 सालों तक अपने को अदालतों में भारतीय ही बता रहे थे। भुट्टो के पिता सर शाहनवाज भुट्टो का मुंबई के चर्चगेट में एस्टोरिया होटल और वर्ली में एक बंगला, माई नेस्ट नाम से था। वह जूनागढ़ के दीवान थे। वे जूनागढ़ के 1947 में भारत में विलय के बाद कराची में बस गए थे। पर जुल्फिकार अली भुट्टो ने अपने परिवार की मुंबई की संपत्ति पर दावा नहीं छोड़ा। भुट्टो कहते रहे कि वे एक भारतीय नागरिक हैं, जिसकी संपत्तियों को शत्रु की संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकता था। ए।जी। नूरानी पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान की 3 मार्च और 30 जून, 1967 की डायरी की दो प्रविष्टियों के हवाले से बेहद सनसनीखेज जानकारी देते हैं। उनमें से एक इस प्रकार है: भारत से कुछ दस्तावेज मेरे हाथ आए, जिसमें बताया गया कि भुट्टो 1958 तक दावा करते रहे थे कि वह एक भारतीय नागरिक हैं और कि वह कराची में केवल अस्थायी रूप से रह रहे हैं। इससे पता चलता है कि यह आदमी (भुट्टो) कितना बेईमान और घटिया इंसान है। दूसरी प्रविष्टि में लिखा है भुट्टो 1958 में पाकिस्तान का मंत्री बनने से कुछ माह पहले तक, भारतीय अदालतों के सामने घोषणा कर रहे थे कि वह कराची में रहने वाले एक भारतीय नागरिक हैं। इसके पीछे उनका मकसद उन संपत्तियों को लेना था जो उनके माता-पिता ने देश के बंटवारे के बाद भारत में छोड़ी थीं। यह हमें तब तक पता नहीं चला जब तक कि इस मामले पर भारतीय संसद में चर्चा नहीं हुई।

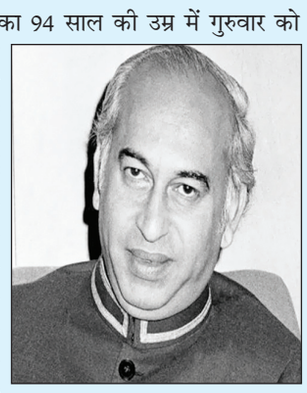

कंगना को मिलेगी अब संघ से शिक्षा ?

अभिनय आकाश

बशीर भद्र साहब का एक शेर है- दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिंदा ना हों..

इस शेर से निकलती फिलॉस्फी को पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी समझ गई हैं। लेकिन वो स्मृति ईरानी जिसे कांग्रेस और बाकी विपक्ष के नेता ट्रोल मिनिस्ट्री चलाने वाली मंत्री तक कह दिया करते थे। उन्हीं स्मृति ईरानी का बदला स्टैंड दिखाए देने लगा है। लोग तो मजाक तक में ये भी कहने लग गए हैं कि राहुल गांधी की फैन लिस्ट में नया नाम जुड़ गया है। ये सबक लगता है स्मृति ईरानी ने ले लिया है। लेकिन उनकी ही जूनियर नेता और मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी की सांसद कंगना रनौत शायद ये अभी नहीं समझ पाई हैं। हाल ये है कि एक के बाद एक उनके बयान और उनकी आधी अधूरी तैयारी, व्हाट्सअप यूनिवर्सिटी के ज्ञान का परचम बढ़ा रहे हैं। जातीय जनगणना पर उन्होंने अब ऐसा बयान दे दिया, जिससे लगने लगा कि संसद में जिन्हें आप पहुंचा रहे हैं जरूरी नहीं है कि यहां के देश-समाज के बदलते ताने बाने को भी समझते हो। भारतीय राजनीति में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले उस टॉपिक की जिस पर संसद की स्टैंडिंग कमेटी से लेकर नेता से अभिनेता बनी कंगना रनौत तक खुलकर अपने विचार रख रही हैं। ये टॉपिक जाति जनगणना का है। लोकसभा चुनाव में काफी ज्यादा चर्चा में रहना वाला जाति जनगणना का मुद्दा आज दो कारणों से चर्चा में है। एनडीए की सहयोगी जेडीयू की तरफ से ओबीसी कल्याण पर संसदीय समिति की बैठक में जातिगत जनगणना कराने की मांग की और ओबीसी के लिए क्रीमी लेयर की सीमा को मौजूदा सीमा से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा। वहीं बीजेपी सांसद कंगना रनौत का ताजा बयान सामने आया है। कंगना ने कहा कि देश में जातिय जनगणना नहीं होनी चाहिए।

किसानों पर बयान देकर विपक्ष के निशाने पर आई कंगना ने तो जैसे बीजेपी के सब्र का इम्तिहान लेने की कसम खा ली है। मंडी से सांसद कंगना ने अब जाति जनगणना पर बयान देकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। एक इंटरव्यू के दौरान हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी सांसद कंगना रनौत से पूछा गया क्या देश में जाति जनगणना होनी चाहिए। कंगना रनौत ने जवाब दिया नहीं, देश में जातिय जनगणना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि करनी ही क्यों है? क्यों पता करनी हैं जाति? मेरे आस पास जाति जैसा कुछ है नहीं। जातियों के बारे में बहुत लोग नहीं सोचते। जातिय जनगणना की मांग पर फ्रंट फुट पर चल रही कांग्रेस को इस बयान से बूस्टर मिला और उसने कल से बीजेपी को ओबीसी विरोधी बताना शुरू कर दिया। कांग्रेस

ने कहा कि कंगना के बयान से साफ लगता है कि बीजेपी जातिय जनगणना कराने के मूड में नहीं है। हालांकि इस मुद्दे पर जेडीयू ने बीजेपी का बचाव करते हुए कहा कि कंगना बीजेपी की प्रवक्ता नहीं हैं।

कंगान रनौत ने दैनिक भास्कर को एक इंटरव्यू दिया और उसमें कहा कि किसान आंदोलन में जो आंदोलनकारी थे उनके ऊपर कई सारे सनसनीखेज आरोप लगाए। उसको लेकर हरियाण से लेकर पूर पंजाब में रोष पैदा हुआ। किसानों का क्रोध और हरियाणा में चुनाव को देखते हुए बीजेपी ने बिना क्षण गवाए कंगान के बयान से दूरी बना ली। कंगना को चेतावनी भी दी। बीते दिनों कंगना ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। जेपी नड्डा ने उन्हें कई नसीहतें दे दी। बताया जा रहा है कि जेपी नड्डा ने कहा कि अगर आपको बात करनी ही है तो आपको अपने संसदीय क्षेत्र के बारे में बात करनी चाहिए। वहां के मुद्दे उठाने चाहिए और वहां की परेशानियों के बारे में बात करनी चाहिए। जेपी नड्डा ने कहा कि आप अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बात करें। लेकिन ऐसी बातें जो कि नीतिगत मुद्दे हैं और जिन पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में फैसला होता है या ऐसे मुद्दे जो कहीं न कहीं सरकार से जुड़े हों, उन बातों या मुद्दों पर बयान ना दें। आप सांसद जरूर हैं, लेकिन नीतिगत मामलों पर अधिकृत नहीं हैं। न ही इन मामलों पर आपको बोलने की अनुमति है। साफ सी बात है कि बीजेपी कंगना के बयान को लेकर काफी सजग हो गई है और अपने फायदे और नुकसान देख रही है।

जब किसान नेताओं को लेकर इस तरह के बयान दिए जाते हैं और उस पर रिएक्शन देखे जाते हैं। ऐसे समय में बीजेपी ने कंगना को समझाने की कोशिश फौरन शुरू कर दी। पहले तो बीजेपी ने अपने सांसद कंगना रनौत की ओर से किसान आंदोलन पर दिए बयान से किनारा कर लिया। दरअसल, पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले किसी तरह का विवाद नहीं चाहती थी। लेकिन जिस अंदाज में कंगना के बयान से किनारा किया गया, उसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चा गर्म है। पार्टी ने इसके लिए जारी बयान में जिस तरह से तल्ख और सख्त शब्दों का प्रयोग किया और कंगना को चेतावनी दी, उससे माना गया कि क्ष्क्षक उनके लगातार दिए जा रहे बयानों से परेशान है और एक ही उन्हें संदेश दे दिया गया कि वह अपनी सीमा में रहें और पार्टी लाइन से हटकर बयान न दें। जब कंगना को लोकसभा का टिकट मिला था तब भी पार्टी के अंदर उनके बयानों को लेकर चिंता थी। लेकिन अब जब वह सांसद चुन ली गई हैं, पार्टी उनके बयानों को लेकर हमेशा आशंकित रहती है। पार्टी नेताओं का मानना है कि इसके साथ ही दूसरे बड़बोले नेताओं को भी संदेश दे दिया गया कि वे संयमित होकर बोलें।

जाति जनगणना पर सवाल पूछा गया तो कंगना कहती हैं क्यों जाननी है जाति, क्या हो जाएगा इससे? सामाजिक समरसात और जाति धर्म से ऊपर उठना ही उनका आचार विचार है तो ये भी सही है। लेकिन ये वही कंगना है जिन्होंने करनी सेना के विरोध पर खुद को राजपूत बताते हुए कहा था कि कमर नहीं हिलाती, हड्डियां तोड़ती हूं। ये वही कंगना है जिनके लिए योगी जी ने कहा था कि तुम्हारा हमारा खून एक है। मतलब साफ है जहां पर कंगना को सपोर्ट चाहिए वहां जाति गिना दी। जहां पिछड़े, वंचित और शोषित लोगों के हाथ मजबूत होने की बात आई वहां पर आप सांसद हैं लेकिन वहां हिचकिचाने लगी। सोने पर सुहागा ये है कि अगर पत्रकार को सांसद को ये समझाना पड़ रहा है कि गरीब, दलित, आदिवासी समाज के अपने क्या चैलेंज हैं। उन पर ही ज्यादतियां, नीतिगत रूप से उन्हें कैसे आगे लाना है तो क्या नीतियां बनेगी और संसद में क्या प्रतिनिधित्व कर पाएंगे ये लोग? कहा जाता है कि बीजेपी जब भी राह भटकती है संघ उसे रास्ता दिखाती है। संघ मतलब शालीनता, संघ मतलब सुचिता, संघ मतलब अनुशासन, संघ मतलब सांस्कृतिक राष्ट्रवाद। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी, पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी, देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ये वो हीरे हैं जो संघ की खुदाई से निकले हैं। संघ का असर बीजेपी पर साफ दिखता भी है और उसके अनुरूप अनुशासन का भी अहम योगदान है। मोदी जी मोदी जी कहकर चुनाव लड़ना और जीत जाना एक बात है और पत्रकारों के घुमावदार सवालों पर बड़बोलेपन में कुछ भी बोल जाना अलग बात है। ऐसे में कंगना से पहले बीजेपी ये बात समझ गई और उन्हें टॉनिक भी दी गई। लेकिन दवाई मिलने और उसका असर होना वक्त तो लगता ही है।

मीडिल ईस्ट का तनाव और अमेरिकी चुनाव

अभिनय आकाश

डोनाल्ड ट्रंप-जेडी वेंस और कमला हैरिस-टिम वाल्ज पूरी तरह चुनावी मोड में हैं। हालिया सर्वेक्षणों की माने तो अश्वेत 81 प्रतिशत कमला के साथ हैं और श्वेत 84 प्रतिशत ट्रंप के साथ। कमला और ट्रंप की टक्कर वाले सात राज्यों पेंसलवेनिया, मिशिगन विस्कॉन्सिन, एरिजोना, नेवाडा, नॉर्थ कैरोलाइना, जॉर्जिया में देखने को मिल रही है। कमला को सुनने के लिए गावों और छोटे कस्बों के लोग पहुंच रहे हैं। इसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा है। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस देश के हर वर्ग का समर्थन जुटाने में लगी हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं हैरिस अपनी मेहनत को बढ़ाती जा रही हैं। गाजा जंग के बीच अमेरिका की पॉलिस से नाराज चल रहे अरब अमेरिकी वोटर्स से जुड़ने के लिए कमला हैरिस ने मिस्र मूल की एक वकील को अपने कैंपेन का हिस्सा बनाया है। मुस्लिम वोटर्स अमेरिका के कई राज्यों में निर्णायक भूमिका रखता है और इनका वोट 5 नवंबर को होने वाले चुनाव के नतीजों पर खासा असर डाल सकते है।

मुस्लिम और अरेबियन के वोच मिशिगन जैसे राज्यों के परिणाम तय करने में मदद कर सकते हैं जहां रिपबल्किन उम्मीदवार और वर्तामन उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच कड़ी टक्कर नजर आ रही है। इसके अलावा इन राज्यों में गाजा युद्ध को लेकर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। मिस्र की ब्रेंडा एबडेलल को गाजा में इजरायली आक्रमण को मिले अमेरिकी समर्थन से निराश अरब मतदाताओं को कमला के पाले में लाने की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले कमला के कैंपेन ने मुस्लिम अमेरिकीयों तक पहुंच बनाने के लिए अफगान अमेरिकी वकील नसीरीना बगर्जी को नियुक्त किया जा चुका है। कमला हैरिस डोनाल्ड ट्रंप के साथ कड़ी टक्कर में है। ऐसे में वो जीत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती हैं और देश के हर वर्ग तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को 2020 में अरब और मुस्लिम वोट बड़े पैमाने पर मिले थे। लेकिन गाजा में भारी संख्या में मौतों के बावजूद इजरायल के लिए समर्थन ने मुस्लिम समर्थन को निराश किया है। कमला हैरिस अगले हफ्ते मिशिगन का दौरा करने वाली हैं। यहां अमेरिका की सबसे बड़ी मुस्लिम और अरब अमेरिकन आबादी रहती है। मिशिगन राज्य में हुए प्राथमिक चुनाव में एक लाख से ज्यादा मतदाताओं ने बाइडेन की बजाए नोटा को वोट दिया है। ये भारत के नोटा से अलग होता है। बटन दबाने पर पार्टी को तो वोट जाता है लेकिन इससे ये पता चलता है कि ये उम्मीदवार वोटर को पसंद नहीं हैं। 21 जुलाई को जो बाइडेन अपनी उम्मीदवारी वापस ले चुके हैं। चुनाव के मंच से कमला हैरिस गाजा में सीजफायर के लिए चिंता जताती आई हैं। लेकिन उन्होंने इजरायल को दी जाने वाली सैन्य मदद को रोकने पर कोई कदम नहीं उठाया।

आम अमेरिकी यूक्रेन युद्ध और मध्यपूर्व एशिया में इजरायल फिलिस्तीन युद्ध के चलते ईरान के साथ एक तीसरे युद्ध की ओर देश को धकेलने को तैयार नहीं है। ट्रंप दावा कर रहे हैं कि जीतने पर वो तीसरे वर्ल्ड वॉर को नहीं होने देंगे। बेशक ट्रंप की इजरायल के प्रति विशेष अनुकंपा रही है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रिपब्लिकन बहुल प्रतिनिधि सभा में अमेरिकी सहयोग की अपील की। उन्होंने ट्रंप और कमला दोनों से मुलाकात की। हालांकि ट्रंप को उन्होंने इजरायल के ज्यादा करीब पाया।

मिशिगन के कई मानवाधिकार संगठनों ने ऐलान किया है कि वो कमला के दौरे पर उन्हें गाजा युद्ध के लिए जिम्मेदार ठहराएंगे। पिछले हफ्ते डेमोक्रेटिक कन्वेंशन के बाद फिलिस्तीनी समर्थकों ने कहा था कि कमला गाजा यथास्थिति में कोई भी बदलाव दिखाने में नाकाम रही हैं। हालांकि उनसे अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार को वोट देने की उम्मीद कम है। लेकिन कुछ फिलिस्तीन समर्थनों ने एबंडन हैरिस जैसे अभियन चलाए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे ही प्रचार की आक्रामकता की आड़ में निजी हमले भी और तीखे होते जा रहे हैं। शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी के कन्वेंशन में राष्ट्रपति जो बाइडन ने रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डॉनल्ड ट्रंप को लूजर करार दे दिया। इसके साथ ही मिशेल ओबामा ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि ट्रंप वो हर कोशिश करते हैं, जिससे लोगों को डर लगे और इसके लिए वो भद्दे और स्त्री विरोधी हैं। ट्रंप पर आरोप लगते रहते हैं कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने डेमोक्रेट पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस पर कई बार तीखी निजी बयानबाजी की है। इसमें उनके रंग और उनकी नस्ल को लेकर भी तंज कसा जाना शामिल है। ट्रंप की पार्टी के कई नेताओं ने इसे लेकर नाराजगी भी जाहिर की थी। बाइडन के रेस से हटने के बाद बार मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और डॉनल्ड ट्रंप के बीच है। लेकिन अब चुनाव उस मुहाने पर हैं जहां उम्मीदवार एक दूसरे पर तीखे निजी हमले करने में बाजी मार रहे हैं।

सर्वजन का नहीं मिला साथ, क्या बहुजन से फिर बनेगी बात?

संजय सक्सेना

बहुजन समाज पार्टी इस समय काफी बुरे दौर से गुजर रही है। उसके वोट बैंक में जबर्दस्त गिरावट आई है तो पार्टी से जुड़े करीब-करीब सभी पुराने नेताओं ने बसपा का दामन छोड़ दिया है। एक समय था जब उत्तर प्रदेश में मायावती दलितों की सबसे बड़ी नेत्री हुआ करती थीं। दलित वोटों की ताकत के बल पर वह अन्य दलों से राजनैतिक सौदेबाजी भी कर लेती थी, परंतु जब से मायवती ने समाज के अन्य वर्गो खासकर मुसलमानों के बीच अपना दायरा बढ़ाने की कोशिश शुरू की हैं तब से पार्टी के भीतर दलित नंबर दो की हैसियत बनकर रह गये थे। यह बात दलितों को अखरती भी थी, लेकिन दलित वोटरों ने माया से कभी बेवफाई की नहीं सोची। परंतु पिछले कुछ वर्षो से यह सिलसिला टूट गया है। दलित वोटर अपने फायदे के लिये कभी भाजपा को कभी समाजवादी पार्टी का दामन थामने लगे। इस वर्ष हुए आम लोकसभा चुनाव में सर्वजन को साधकर सत्ता की मास्टर चाबी तलाशती रहीं मायावती को इस लोकसभा चुनाव ने पूरी तरह से संदेश दे दिया है कि दलित वोटों की नींव पर टिकी उनकी पार्टी की राजनीतिक जमीन अब काफी खोखली हो चुकी है। मायावती की यह चिंता अब उनके शब्दों के साथ बाहर आ रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से बसपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जो भी संदेश दिया है, उसमें 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की ही बात कही गई है, जबकि इससे पहले उनकी पार्टी की रणनीति और बसपा शासन का भी सूत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय ही था। इससे माना जा रहा है कि वह अब अपने कोर वोटबैंक रहे बहुजन समाज को फिर से आकर्षित करने के प्रयास में हैं। उधर, बसपा प्रमुख मायावती को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की बात तो की, लेकिन एक बार भी सर्वजन यानी सभी समाज-वर्गों का उल्लेख नहीं आया। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर व दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से भी यही अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों बसपा मूवमेंट व बहुजन अस्मिता के हित में पूरे जी-जान से लगे रहें। सिर्फ यही बैठक नहीं, बल्कि 11 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों के साथ बैठक में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव लड़ने की घोषणा की, तब भी संदेश दिया कि बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की नीति एवं सिद्धांत पर जनता का भरोसा फिर से जीतने का प्रयास लगातार जारी रखना है। यहां गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश में जब बसपा की सरकार थी, तो सरकार सूत्र वाक्य था- सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय। इतना ही नहीं, मायावती अपनी बैठकों में भी इस सूत्र वाक्य को दोहराना नहीं भूलती थीं। उदाहरण के तौर पर लोकसभा चुनाव परिणाम से पहले 23 मई 2024 को गौतमबुद्ध की जयंती पर मायावती द्वारा जारी संदेश में खुद कहा था कि बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार बार अपनी सरकार सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के आदर्श के आधार पर चलाई और समतामूलक समाज स्थापित करने का पूरा प्रयास किया। इसी तरह 2024 में ही एक जनवरी, 15 जनवरी और 20 जनवरी को दिए गए संदेश में भी मायावती ने सर्वजन हिताय की बात कही। इन बयानों पर गौर करें तो पता चलता है कि सर्वजन का सूत्र लोकसभा चुनाव परिणाम आने के पहले तक रहा और उसके बाद से सिर्फ बहुजन की रट है। आखिर क्यों? इसका संकेत लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद मायावती द्वारा बुलाई गई पहली राष्ट्रीय स्तरीय बैठक के संबोधन में मिलता है। उसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि इस बार विरोधी पार्टियों द्वारा चुनाव में विशेषकर संविधान बचाओ जैसे मुद्दों को उठाकर जनता को गुमराह किया, उससे बसपा का जबरदस्त नुकसान हुआ है। मायावती को इस लोकसभा चुनाव से संकेत मिल गया है कि जिस तरह 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने बसपा के दलित वोटबैंक में सेंध लगाई, अब उसमें सपा और कांग्रेस भी बड़ी सेंध लगाती दिख रही हैं।

मुझे मालूम था कि तलाक बच्चों के लिए कितना मुश्किल होता है: फरहान

बालीवुड के मशहूर लेखक और गीतकार जावेद अख्तर के बेटे फरहान अख्तर ने हाल ही में एक साक्षात्कार में अपनी व्यक्तिगत जिन्दगी को लेकर खुलकर बातचीत की है। फरहान बताया कि उनके माता-पिता के तलाक का उन पर और उनकी पत्नी अधुना भवानी के साथ शादीशुदा जिंदगी पर क्या असर पड़ा। फरहान ने कहा कि वो समय मुश्किल था क्योंकि मैं खुद तलाकशुदा पैरेंट्स का बच्चा था। मुझे मालूम था कि तलाक बच्चों के लिए कितना मुश्किल होता है। मेरे अंदर से हमेशा एक आवाज आती थी कि मैं अपने बच्चों के साथ ऐसा नहीं कर सकता हूं। फिर इस फैसले का एक ऐसा मोड़ आया जब मैंने और अधुना ने उनसे साफ-साफ अपने तलाक के बारे में बात की। मैंने अपने बच्चों को बताया कि हम उनकी वजह से अलग नहीं हो रहे हैं, न वे इसकी वजह हैं और न ही उन्होंने ऐसा कुछ किया है जिसकी वजह से हम दोनों अलग हो रहे हैं। हमारे इस फैसले से बच्चों का कुछ लेना-देना नहीं था। वो दो बड़े लोगों की आपसी बात थी। एक दोस्त के तौर पर हमने ये फैसला लिया था कि हम ये करना चाहते हैं और यही हम सबके लिए सबसे अच्छा होगा। हालांकि आज भी मेरे अंदर से एक आवाज आती है कि क्या मेरे बच्चों के साथ ऐसा होना चाहिए था। शायद ये एक ऐसा अहसास है जिसके साथ ही मुझे जीना होगा। मेरे साथ बचपन में ऐसा ही हुआ था इसी वजह से अब मुझे ऐसा महसूस होता है। बता दें फरहान और अधुना ने साल 2000 में शादी की थी और वे साल 2017 में अलग हो गए। उनके दो बेटियां शाक्या और अकिरा हैं। फरहान ने साल 2022 में शिबानी दांडेकर के साथ दूसरी शादी कर ली। उल्लेखनीय है कि फरहान के पिता जावेद अख्तर ने साल 1972 में हनी ईरानी के साथ शादी की थी। उनके बेटी जोया अख्तर भी है। जावेद-हनी ने साल 1985 में तलाक ले लिया। जावेद ने साल 1984 में एक्ट्रेस शबाना आजमी के साथ दूसरी शादी की थी।

अल्फा की शूटिंग के लिए कश्मीर जा रही शरवरी वाघ

कश्मीर में एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग से पहले अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इसमें वह वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे कैप्शन दिया अल्फा स्टेट ऑफ माइंड। अभिनेत्री फिल्म अल्फा के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग के लिए कश्मीर जा रही हैं। अभिनेत्री ने पहले कश्मीर में शूटिंग करने के लिए अपनी उत्सुकता जताई थी। अपने आगामी शेड्यूल के बारे में शरवरी ने पहले कहा था, मैं कश्मीर में अल्फा की शूटिंग का इंतजार नहीं कर सकती हूं। मैं रोमांचित हूं कि यह एक बहुत ही रोमांचक शेड्यूल होने वाला है। अल्फा टीम कुछ समय बाद मिलने वाली है। हम सभी कश्मीर शेड्यूल शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि किसी के करियर में इतनी जल्दी ऐसा अवसर मिलना वास्तव में एक आशीर्वाद है। इस फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट भी एक्शन करती हुई दिखाई देंगी। शरवरी वर्तमान में 'मुंज्या' की सफलता का आनंद ले रही हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये कमाए। उन्हें 'महाराज' और 'वेदा' में भी देखा गया था। वेदा में उनके साथ जॉन अब्राहम मुख्य रोल में हैं। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक दलित लड़की पर केंद्रित है, जिसे उच्च जाति द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है और अभिमन्यु उसके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कश्मीर में एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग से पहले अभिनेत्री शरवरी वाघ एक्शन मोड में हैं। वह इस फिल्म में भूमिका निभाएंगी।

मुझे नहीं लगता अब मैं दोबारा शादी कर पाऊंगा: आमिर खान

-एक्टर ने कहा-मैं फिर से अपनी फैमिली से जुड़ गया हूं

हाल ही में बालीवुड एक्टर आमिर खान अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में गए थे, जहां पर उनसे तीसरी शादी करने के बारे में सवाल पूछा गया। इस पर आमिर ने साफ तौर पर कहा कि शादी एक कैनवास है जिसे 2 लोग मिलकर रंगते हैं और रही मेरी शादी की बात तो मैं अब 59 का हो गया हूं।

मुझे नहीं लगता अब मैं दोबारा शादी कर पाऊंगा। मुश्किल लग रहा है। मेरी जिंदगी में इस वक्त बहुत सारे रिश्ते हैं। मैं फिर से अपनी फैमिली से जुड़ गया हूं। मेरे बच्चे, भाई और बहने हैं। मैं उन लोगों के साथ खुश हूं जो मेरे करीब हैं। मैं एक बेहतर इंसान बनने की तरफ काम कर रहा हूं। ज्ञातव्य है कि आमिर की पहली शादी रीना दत्ता के साथ हुई थी। फिल्मों में आने से पहले ही उन्होंने रीना के साथ शादी कर ली थी। यह प्रेम विवाह था। शादी के बाद उनकी बतौर नायक पहली फिल्म कयामत से कयामत तक थी, जिसे उनके चचेरे भाई मंसूर खान ने निर्देशित किया था। आमिर-रीना की शादी 16 साल चली। उनके दो बच्चे आयरा और जुनैद हैं। आयरा की हाल ही में शादी हुई है और जुनैद ने अपना फिल्म करियर अब शुरू किया है। आयरा की जनवरी में फिटनेस ट्रेनर नुपुर शिखरे के साथ शादी हुई है, जबकि जुनैद ने पिछले दिनों 'महाराज' फिल्म के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। आमिर ने रीना से अलग होने के बाद आमिर ने फिल्ममेकर किरण राव के साथ शादी की थी। उनका एक बेटा आजाद है। किरण और आमिर ने साल 2021 में अलग होने का फैसला ले लिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके तलाक की अनाउंसमेंट की थी। आमिर हालांकि अपनी दोनों पूर्व पत्नियों और बच्चों के साथ आज भी दिल से जुड़े हुए हैं। आमिर ने अपने साक्षात्कार में बताया कि कोविड- 19 और लॉकडाउन के दौरान उन्हें बैठकर सोचने और अपने लाइफ को जानने का बहुत समय मिला। उन्हें अहसास हुआ कि वे पिछले 30 सालों से अपने काम में कैसे मशगूल हो गए थे कि उन्होंने अपने परिवार और बच्चों के साथ टाइम बिताना मिस कर दिया। इसके चलते उन्हें खुद पर गुस्सा आया। आमिर ने कहा कि मैं काम की वजह से अपने परिवार को नजरअंदाज करने से इतने दुखी और गिल्ट से भर गया था कि मैंने पूरी तरह से फिल्में छोड़ने का फैसला किया। मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी बेचने की कोशिश की लेकिन मुझे खरीदार नहीं मिले, यहां तक कि मेरा बेटा जुनैद भी ऐसा नहीं चाहता था। बाद में किरण और बच्चों ने आमिर को काम और परिवार के बीच संतुलन बनाने के लिए मना लिया। आमिर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे आखिरी बार साल 2022 में 'लाल सिंह चड्ढा' मूवी में करीना कपूर खान के साथ नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। अब आमिर जल्द ही 'सितारे जमीन पर' फिल्म में दिखेंगे। ये डाउन सिंड्रोम बीमारी पर आधारित है। फिल्म में आमिर के साथ रितेश देशमुख की पत्नी जेनेलिया डिसूजा भी हैं। बता दें कि आमिर खान अपनी फिल्मों के साथ अपनी निजी जिन्दगी को लेकर भी चर्चाओं में रहते हैं। अपनी जिन्दगी में उन्होंने दो बार शादी की मगर अफसोस दोनों टूट गई।

कियारा बगैर हिच - किचाहट नए ट्रेंड अपनाती हैं: सिद्धार्थ मल्होत्रा

अपनी अभिनेत्री-पत्नी कियारा आडवाणी को लेकर बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा है कि उनका फैशन सेंस बोल्ड और एडवेंचरस है। उन्होंने कहा कि कियारा अपनी स्टाइल के साथ अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखती है। सिद्धार्थ ने कहा, वह बिना किसी हिचकिचाहट के नए ट्रेंड अपनाती हैं और रंगों को इस्तेमाल करने से भी हिचकिचाती नहीं हैं। उनका स्टाइल काफी ग्लैमरस है। वह अपनी मजबूत व्यक्तिगत पहचान बनाए रखती है।सिद्धार्थ ने 2012 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरुआत की थी और बाद में एक विलेन और शेरशाह जैसी हिट फिल्मों में देखे गए। फैशन मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू करने वाले सिद्धार्थ ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि हर काम परफेक्शन के साथ हो। सिद्धार्थ और कियारा ने 2020 में डेटिंग शुरू की थी। शेरशाह के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई और प्यार हो गया। उन्होंने 2023 में राजस्थान में शादी कर ली। सिद्धार्थ ने 2010 में माई नेम इज खान में करण जौहर के सहायक निर्देशक के तौर पर शुरुआत की। उन्होंने 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें हंसी तो फंसी, एक विलेन, कपूर एंड संस, ए जेंटलमैन, अय्यारी, जबरिया जोड़ी जैसी कई फिल्मों में देखा गया। उन्होंने शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय अभिनीत डिजिटल थ्रिलर सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स से ओटीटी पर डेब्यू किया।

वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन जश्न होगा: काम्या पंजाबी

बालीवुड अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने महिला समानता दिवस पर बात करते हुए कहा कि हम इसके बारे में बात करते हैं और इसका जश्न मनाते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि अगर हम वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन एक जश्न होगा। यह किसी खास दिन या अवसर तक सीमित नहीं होगा। दुर्भाग्य से हमें समाज में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। लोग कहते हैं कि चीजें बदल गई हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अभी भी भरोसे और विश्वास की कमी है। मुझे अक्सर लगता है कि समानता का विचार उन लोगों के लिए एक मजाक है, जो असमानताओं को नहीं देख पाते। उन्होंने आगे कहा, मनोरंजन उद्योग में यह और भी मुश्किल है। यहां लोग एक-दूसरे का समर्थन करने के बजाय अपना स्टेटस बनाए रखने पर अधिक ध्यान देते हैं। समर्थन की यह कमी और असुरक्षा हमें पीछे धकेल देती है। अभिनेत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम ऐसे क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करना शुरू करें। मनोरंजन का मतलब दर्शकों का मनोरंजन करना है, लेकिन इसमें सामाजिक संदेश देने की भी शक्ति है। हमें एक-दूसरे का समर्थन करते हुए बेहतरीन चीजें बनाने के लिए एक साथ आने की आवश्यकता है। टेलीविजन शो में महिलाओं के काम को लेकर काम्या ने कहा, एक समय था जब महिलाओं को अक्सर कमजोर दिखाया जाता था, इसके बावजूद भी वह अपने दम पर दृढ़ रहते हुए अपने परिवार का समर्थन करने में कामयाब रहीं। उन्होंने आगे कहा, मेरा किरदार मोहिनी बहुत ही मजबूत और दृढ़ निश्चयी है। मेरा शो इश्क जबरिया भी दो महिलाओं के बीच के संघर्ष को दिखाता है कि कैसे वे कभी-कभी एक-दूसरे को नीचा दिखा सकती हैं। इसके अलावा शो का मुख्य किरदार गुलकी (सिद्धि शर्मा) एक मजबूत महिला है जो हार नहीं मानती और अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि समय बहुत बदल गया है, और अब हम स्क्रीन पर महिलाओं को शक्तिशाली रूप में देख सकते हैं। टेलीविजन पर किसी भी नायिका को देखें, वह कभी हार नहीं मानती, कभी हिम्मत नहीं हारती और आगे बढ़ती रहती है।

केबीसी 16 में अमिताभ ने की पंकज की प्रशंसा

हाल ही में बिग बी ने केबीसी के सेट से फिल्म स्त्री 2 के एक एक्टर की जमकर तारीफ की है और बिग बी ने खुलासा किया कि वे इस एक्टर की सारी फिल्में देखते हैं। बिग बी ने केबीसी 16 के एक हालिया एपिसोड में स्त्री 2 के एक्टर पंकज त्रिपाठी को लेकर एक सवाल किया। बिग बी ने पारस मणि नाम के एक कंटेस्टेंट से 20,000 रुपये के लिए सवाल किया था कि, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म मैं अटल हूं में इनमें से किसकी भूमिका निभाई है? इसके चार विकल्प सेलर, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और क्रिकेटर थे. सही जवाब प्रधानमंत्री था। आगे बिग बी ने पंकज त्रिपाठी की जमकर तारीफ की। बिग बी ने बताया कि, पंकज त्रिपाठी जो हैं वो एक सक्षम कलाकार हैं हमारी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के। बहुत बढ़िया कलाकार हैं वो। उनकी जितनी फिल्में आती हैं हम देखते हैं और हम सीखते हैं, उनकी कला इतनी अच्छी है। जहां बिग बी हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि में नजर आए थे तो वहीं पंकज इन दिनों ब्लॉकबस्टर हो चुकी फिल्म स्त्री 2 में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं पंकज के अलावा अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना अभी अहम रोल निभा रहे हैं। 15 अगस्त को रिलीज हुई स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही हैं। फिल्म ने भारत में 12 दिनों के अंदर 422 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है, जबकि वर्ल्डवाइड फिल्म की कमाई 589 करोड़ रुपये हो चुकी है। बता दें कि हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन की पूरी दुनिया दीवानी है। अमिताभ बच्चन ने दुनियाभर में अपने फैंस बनाए हैं और हर किसी का मनोरंजन किया है। आज 81 साल की उम्र में भी बिग बी लगातार काम कर रहे हैं। हाल ही में बिग बी अपनी ब्लॉकबस्टर हो चुकी फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आए थे। फिलहाल बिग बी अपने फैंस का अपने क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति 16 से मनोरंजन कर रहे हैं।

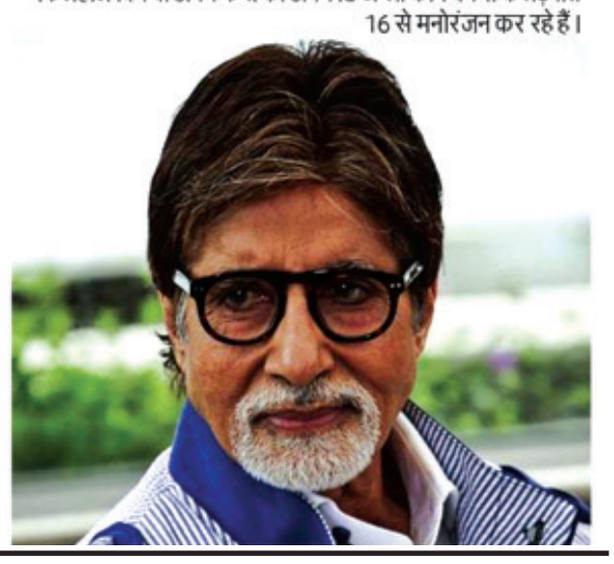

मेरा सबसे पसंदीदा सीन फाइनल कट में नहीं आया: राजकुमार राव

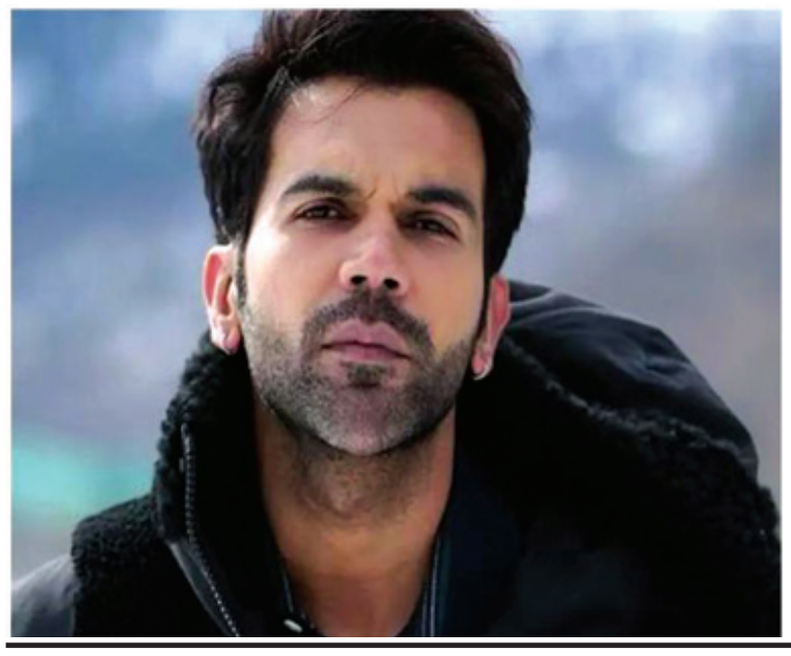

फिल्म स्त्री 2 में विक्की की भूमिका निभाने वाले राजकुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की शूटिंग से एक अनदेखी तस्वीर शेयर की। अभिनेता ने फिल्म के मजेदार दृश्यों में से एक तस्वीर शेयर की। इसमें राव लड़की के कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं। मगर यह सीन फाइनल कट में जगह नहीं बना पाया था।

इंस्टाग्राम पर अभिनेता के 7.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। तस्वीर में हम उन्हें लाल रंग के चमकदार टॉप, गोल्डन जैकेट और छोटी बैंगनी रंग की चमकदार स्कर्ट पहने हुए देख सकते हैं। उन्होंने लंबे बालों वाली विग और हील्स पहनी हुई हैं। पोस्ट का शीर्षक है, फिल्म स्त्री 2- सरकटे का आतंक का मेरा सबसे पसंदीदा और मजेदार सीन जो फाइनल कट में नहीं आया। क्या आप लोग फिल्म में ये सीन देखना चाहते हैं? आप सब बताइए। अभिनेता विजय वर्मा ने टिप्पणी की, हाहाहाहा मैं इसे देखने के लिए पैसे दूंगा। निमरत कौर ने कहा, बिक्की प्लीज।

फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा ने लिखा, हां, इसे देखने के लिए पैसे दूंगा। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित, निरेन भट्ट द्वारा लिखित और मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित यह फिल्म 2018 की फिल्म स्त्री का सीक्वल है। फिल्म में श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना हैं। फिल्म में शमा के रूप में तमन्ना भाटिया भी विशेष भूमिका में हैं। फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से अभिनय की पढ़ाई करने वाले राजकुमार ने 2010 में एंथोलॉजी फिल्म लव सेक्स और धोखा से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्हें गैंग्स ऑफ वासेपुर पार्ट 2 और तलाश- द आंसर लाइज विदिन फिल्मों में सहायक भूमिकाओं में देखा गया था। उन्हें 2013 में काई पो चे, और शाहिद फिल्मों से सफलता मिली।

शाहिद में वकील शाहिद आजमी की भूमिका निभाने वाले राव ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। वह डॉली की डोली, क्वीन, सिटीलाइट्स, अलीगढ़, बरेली की बर्फी, शादी में जरूर आना, ओमेर्टा, लूडो, भीड़, श्रीकांत और मिस्टर एंड मिसेज माही जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। राजकुमार के पास अगली फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और भूल चूक माफ है। बता दें कि इन दिनों अभिनेता राजकुमार राव अपनी हाल ही रिलीज हुई फिल्म स्त्री 2- सरकटे का आतंक की सफलता का आनंद ले रहे हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

चंपाई सोरेन के बाद अब लोबिन हेम्ब्रम भी भाजपा में शामिल

रांची। कोल्हान से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कद्दावर नेता चंपाई सोरेन के बाद पार्टी के एक और पूर्व विधायक पर भगवा रंग चढ़ गया है।

संताल परगना के बोरियो से निर्वाचित लोबिन हेम्ब्रम भी अब भाजपा में शामिल हो गए। रांची के भाजपा मुख्यालय में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। झारखंड भाजपा कार्यालय में आयोजित समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने लोबिन हेम्ब्रम का स्वागत किया। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव के सह-प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने लोबिन हेंब्रम को माला पहनाकर और अंगवस्त्र देकर भाजपा में शामिल करवाया। इस अवसर पर चंपाई सोरेन और मधु कोड़ा भी मौजूद थे। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन ने भी उन्हें भाजपा का पट्टा पहनाया। लोबिन हेम्ब्रम ने झारखंड आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। संताल परगना के लोकप्रिय नेता 5 बार विधायक रह चुके हैं।

कांग्रेस आलाकमान ने बिहार में 3 नेताओं को दी बड़ी जिम्मेवारी

नईदिल्ली। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में संगठन को मजबूत करने के लिए कई अहम जिम्मेदारियों को बांटा है। भारतीय युवा कांग्रेस ने सभी जिलों में प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। जबकि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआइसीसी) में तीन सचिवों को बिहार का दायित्व सौंपा गया है। ये तीनों पदाधिकारी बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश के साथ समन्वय बनाकर काम करेंगे। जिन तीनों नेताओं को बिहार का दायित्व मिला है वो पिछड़ा वर्ग,अनुसूचित जाति और मुस्लिम वर्ग से आते हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआइसीसी) में विभिन्न राज्यों के 74 प्रतिनिधियों को जगह मिली है। उनमें तीन सचिवों (देवेंद्र यादव, सुशील कुमार पासी, शाहनवाज आलम) को बिहार का दायित्व मिला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन तीनों को बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश के साथ समन्वय बनाकर काम करने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने दिया ममता बनर्जी को जवाब

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने जवाब दिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पत्र में तथ्यात्मक गलती बताते हुए ममता बनर्जी की आलोचना की है। अन्नपूणा देवी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को जवाब दिया है कि इस पत्र का उद्देश्य राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) के संचालन में हुई देरी को छिपाना है। देवी ने ममता बनर्जी को जवाब देते हुए लिखा, इस संबंध में आपके पत्र में दी गई जानकारी तथ्यात्मक रूप से गलत है और यह राज्य द्वारा एफटीएससी के संचालन में देरी को छिपाने की दिशा में एक कदम प्रतीत होता है। पश्चिम बंगाल में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) और विशेष पॉक्सो कोर्ट की स्थिति के बारे में आपने जो पत्र में बताया है, वह मुझे कलकत्ता उच्च न्यायालय से प्राप्त जानकारी से अलग लगता है।

आज लालू की पार्टी राजद करेगी आंदोलन

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एक सितंबर से आंदोलन करेगी। इसका एलान नेता प्रतिपक्ष व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता का हक किसी को छीनने नहीं दे सकते हैं। इसलिए हमारी पार्टी 2023 में हुए जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों को संविधान की अनुसूची 9 के तहत शामिल करने की मांग को लेकर एक सितंबर को आंदोलन करेगी। इतना ही नहीं अगर नीतीश सरकार ने 65 प्रतिशत आरक्षण अपना पक्ष सही से नहीं रखा तो राजद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा और अपनी बात रखेगा। हम कोर्ट जाकर अपना पक्ष अच्छे से रखेंगे। इसलिए हमने एक सितंबर को बिहार में आंदोलन की घोषणा की है। तेजस्वी ने कहा कि वह बिहार में होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ओबीसी, एससी और एसटी के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया था।

किसान पंचायत में शामिल हुईं विनेश फोगाट

चंडीगढ़। पहलवान विनेश फोगाट ने शंभू सीमा पर किसानों के विरोध प्रदर्शन के लिए अपना अटूट समर्थन दिखाया और शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपकी बेटी आपके साथ है। शंभू सीमा पर किसानों ने शनिवार को एक बड़ी सभा के साथ अपने चल रहे विरोध प्रदर्शन का 200वां दिन मनाया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि हमारा आवाज उठाना हर बार पॉलिटिकल नहीं होता। किसान आंदोलन पर फोगाट ने कहा कि उन्हें यहां बैठे हुए 200 दिन हो गए हैं। ये देखकर दुख होता है। ये सभी इस देश के नागरिक हैं। किसान देश चलाते हैं। उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है। एथलीटों के बिना भी नहीं। विनेश फोगाट ने कहा कि अगर वे हमें खाना नहीं खिलाएंगे तो हम प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। कई बार हम असहाय होते हैं और कुछ नहीं कर पाते, हम इतने बड़े स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हैं लेकिन अपने परिवार को दुखी देखकर भी हम उनके लिए कुछ नहीं कर पाते।

प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

भारत के लोगों ने कभी हमारी न्यायपालिका पर अविश्वास नहीं किया : मोदी

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय का जिला न्यायपालिका का छह सत्रों वाला दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार से शुरू हुआ। इसके उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने टिकट और सिक्के का अनावरण किया। महिलाओं खिलाफ अपराध और बच्चों की सुरक्षा पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से न्याय मिलेगा, उतनी जल्दी आधी आबादी को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। पीएम मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल भी इस समारोह का हिस्सा बनें।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पीएम मोदी ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष, ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है, भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है, एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की।

उन्होंने आगे कहा, भारत के लोगों ने कभी सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर अविश्वास नहीं किया। इसलिए, सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष, मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है- विकसित भारत, नया भारत। नया भारत, यानी - सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है।

प्रधानमंत्री ने कहा, न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक संरचना के विकास के लिए

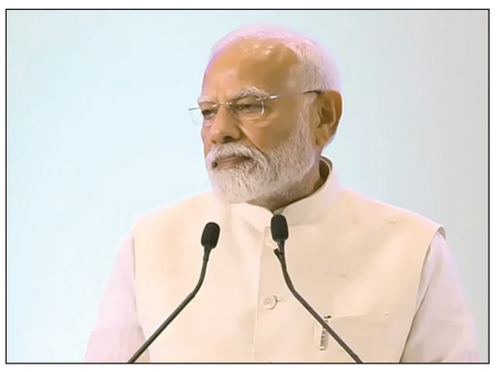

लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक संरचना पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है। भारतीय न्याय संहिता के रूप में हमें नया भारतीय न्याय विधान मिला है। इन कानूनों की भावना है- नागरिक पहले, गरिमा पहले और न्याय पहले। हमारे आपराधिक कानून शासक और गुलाम वाली औपनिवेशिक सोच से आजाद हुए हैं।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर भी पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही बड़ा भरोसा मिलेगा।

कपिल सिब्बल और अर्जुन मेघवाल ने किया समारोह को संबोधित

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने इस समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत में आबादी के अनुपात में जजों की संख्या बहुत कम है। जिला एवं सत्र स्तर पर रोस्टर पर बहुत अधिक बोझ है। उन्होंने आगे कहा, हमारे ट्रायल कोर्ट, जिला और सत्र न्यायालय को बिना किसी भय के न्याय देने के लिए सशक्त बनाने की आवश्यकता है। न्यायपालिका में यह विश्वास पैदा किया जाना चाहिए कि उनके फैसले उनके खिलाफ नहीं होंगे। वे न्यायप्रणाली की रीढ़ की हड्डी हैं। मैंने अपने करियर में शायद ही उस स्तर पर जमानत मिलते देखी हो। यह केवल मेरा अनुभव नहीं बल्कि मुख्य न्यायाधीश ने भी ऐसा इसलिए कहा क्योंकि शीर्ष अदालतों पर बोझ हैं। निचली अदालत में जमानत एक अपवाद है। स्वतंत्रता एक संपन्न लोकतंत्र का मूलभूत आधार है। इसका गला घोंटने का प्रयास हमारे लोकतंत्र पर प्रभाव डालता है।

कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय अपने स्थापना के 75 वर्ष मना रहा है और देश संविधान लागू होने के 75 वर्ष मना रहा है। ये बहुत ही सुखद संयोग है। मुझे इस अवसर में शामिल होकर अत्यंत गर्व व हर्ष की अनुभूति हो रही है। मेरा ये मानना है कि जिला न्यायालय हमारी न्यायपालिका का दर्पण है और इन्ही के माध्यम से आम जनता अपने मन में न्यायपालिका की छवि का निर्माण करती है। ये चारो ओर एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं जो कि प्रत्येक कार्य के लिए जरूरी है। हमारे लिए गर्व का विषय है कि सरकार द्वारा न्यायपालिका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पिछले एक दशक में ईज ऑफ लिविंग के साथ-साथ ईज ऑफ जस्टिस को बढ़ावा देने के लिए सार्थक प्रयास किए गए जिसका प्रणाम हमें देखने को मिल रहा है।

जिला न्यायपालिका कानून के शासन का महत्वपूर्ण घटक और न्यायतंत्र की रीढ़ : सीजेआई

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को जिला न्यायपालिका को न्यायतंत्र की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि यह कानून के शासन का एक महत्वपूर्ण घटक है। प्रधान न्यायाधीश ने जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला न्यायपालिका को अधीनस्थ कहना बंद करना जरूरी है। न्याय की तलाश में निकले नागरिक के लिए जिला न्यायपालिका पहला संपर्क बिंदु है। जिला न्यायपालिका कानून के शासन का एक महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने आगे कहा कि कार्य की गुणवत्ता तथा वे परिस्थितियां जिनमें न्यायपालिका नागरिकों को न्याय दिलाती है, यह निर्धारित करती हैं कि उनका न्यायिक प्रणाली में विश्वास है या नहीं। सीजेआई ने कहा कि इसलिए जिला न्यायपालिका से जबरदस्त जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा की जाती है और इसे न्यायपालिका की रीढ़ कहना उचित ही है। रीढ़ तंत्रिका तंत्र का मूल है। उन्होंने आगे कहा कि कानूनी प्रणाली की रीढ़ को बनाए रखने के लिए हमें जिला न्यायपालिका को अधीनस्थ न्यायपालिका कहना बंद करना चाहिए। आजादी के 75 साल बाद अब समय आ गया है कि हम अंग्रेजों के जमाने की औपनिवेशिक और पराधीनता की मानसिकता को समाप्त कर दें। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने आगे कहा कि साल 2023-2024 में अदालत के रिकॉर्ड के 46.48 करोड़ पन्नों को स्कैन या डिजिटाइज किया गया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के संयोजन के साथ ई-समिति द्वारा प्रबंधित राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड, न केवल वकीलों के लिए बल्कि नागरिकों के लिए भी आंकड़े की खान है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि ई-अदालत परियोजना 3,500 से अधिक अदालत परिसरों और 22,000 से अधिक अदालत कक्षों के कंप्यूटरीकरण के लिए भी जिम्मेदार है। इसके अलावा, जिला न्यायपालिका ने दिन-प्रतिदिन के मामलों में प्रौद्योगिकी को तैनात करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश में जिला अदालतों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 2.3 करोड़ मामलों की सुनवाई की है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त हर भाषा में अनुवाद हो रहा है और 73,000 अनुदित फैसले सार्वजनिक दायरे में हैं। न्यायपालिका की बदलती जनसांख्यिकी के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जिला न्यायपालिका में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि साल 2023 में राजस्थान में सिविल जजों की कुल भर्ती में 58 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं। 2023 में दिल्ली में नियुक्त न्यायिक अधिकारियों में से 66 प्रतिशत महिलाएं थीं। उत्तर प्रदेश में 2022 बैच में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के लिए नियुक्तियों में 54 प्रतिशत महिलाएं थीं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि केरल में न्यायिक अधिकारियों की कुल संख्या में 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। ये कुछ उदाहरण हैं जो भविष्य की उदीयमान न्यायपालिका की तस्वीर पेश करते हैं।

अटकलों के बीच अमित शाह से मिले चिराग पासवान

नईदिल्ली। बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और उनकी पार्टी एलजेपी (आर) को लेकर खासी चर्चा है। विपक्षी नेता अलग-अलग दावे कर रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि भाजपा एलजेपी (आर) को विभाजित करने का प्रयास कर रही है और जल्द ही, चिराग पासवान के सांसद भाजपा में शामिल होंगे। हालाँकि, पासवान ने इन दावों को गलत सूचना बताते हुए खारिज कर दिया है और कहा है कि उन्हें कमजोर करने की साजिशें लंबे समय से चल रही हैं, लेकिन मिट्टी के बर्तन को बार-बार आग पर नहीं रखा जा सकता है।

इन घटनाक्रमों के बीच, चिराग पासवान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अपने विरोधियों को एनडीए एकता का एक मजबूत संदेश दिया। पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमने विभिन्न राजनीतिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। पासवान ने लिखा कि आज नई दिल्ली में देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात किया। इस दौरान कई राजनीतिक बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चाएं हुई। इस मुलाकात को लेकर भी अलग-अलग बाते कही जा रही है।

तमाम अटकलों को खारिज करते हुए चिराग ने कहा कि आज की तारीख में विपक्ष के द्वारा जो ये भ्रम फैलाया जा रहा है, मेरी पार्टी और मेरे सांसदों को लेकर, वह उसी साजिश को हवा देने की सोच है जो 2021 में रची गई थी। उस वक्त भी इनलोगों को लगा था कि ये चिराग पासवान को समाप्त कर देंगे, लेकिन ना उस वक्त ये लोग चिराग पासवान को समाप्त कर पाए और ना आगे कर पाएंगे। युवा नेता ने कहा कि आज की तारीख में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का हर सांसद बिहार फर्स्ट- बिहारी फर्स्ट की सोच को धरातल पर उतारने के लिए काम कर रहा है। अब हमलोग का ध्यान अगले साल, यानी 2025 में होनेवाले विधानसभा चुनाव पर है। जो लोग सोचते हैं कि लोजपा (रामविलास) में टूट हो, वो अपनी ख्वाहिशों को पर देने का काम कर रहे हैं, वे चाहते हैं कि ऐसा हो। लेकिन, ऐसा कुछ होनेवाला नहीं है। काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती है। इस बार ऐसा कुछ नहीं होगा।

खेल
प्रमुख समाचार

बांग्लादेश सीरीज से पहले मुश्किल में फंसी टीम इंडिया!

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में हार के बाद 40 दिनों के ब्रेक के बाद बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज की मेजबानी करने के लिए तैयार है। हालांकि, इस बीच सूर्यकुमार यादव के चोटिल होने की खबर सामने आई है। सूर्यकुमार यादव की चोट की खबरों के कारण टीम को बड़ा झटका लगा है। वह फिलहाल टेस्ट प्रारूप का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ उन्हें मौका दिया जा सकता था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 30 अगस्त 2024 को बुची बाबू टूर्नामेंट में मुंबई के लिए फील्डिंग करते समय सूर्यकुमार यादव को चोट लग गई थी। लेग स्लिप पर खड़े होने के दौरान उन्होंने प्रदोष रंजन पॉल की एक गेंद को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उनका दाहिना हाथ मुड़ गया। शुरुआत में यह घटना मामूली लगी, लेकिन सूर्या को काफी दर्द हो रहा था, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए।

श्रेयस अय्यर और सरफराज खान भी इसी टूर्नामेंट के दौरान बल्ले से जूझते रहे। सूर्यकुमार को तीसरे दिन चोट लगी जब उन्होंने मुशीर खान की लेग-स्टंप डिलीवरी से एक गेंद को पकड़ने की कोशिश की। मैदान पर तुरंत चिकित्सा सहायता के बावजूद सूर्य को लगातार दर्द के कारण आगे के इलाज के लिए बाहर जाना पड़ा। यह चोट दिलीप ट्रॉफी से ठीक पहले आई है, जिसे सूर्यकुमार यादव के लिए टेस्ट क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने के अवसर के रूप में देखा जा रहा था। 33 वर्षीय सूर्यकुमार ने भारत के लिए टेस्ट खेलने में रुचि दिखाई थी और उन्हें दिलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए टीम सी में शामिल किया गया था। सूर्यकुमार यादव की हालिया फॉर्म और टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनके जुनून ने उन्हें चयन के लिए एक मजबूत उम्मीदवार बनाया है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

अगस्त में सरकार ने दो बार में घटाया 60% तक विंडफॉल टैक्स

नईदिल्ली। तेल कंपनियों के लिए अगस्त का महीना डबल राहत वाला रहा है। सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 11.9 प्रतिशत घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन कर दिया है, जो पहले 2,100 रुपये प्रति टन था। यह कटौती शनिवार से प्रभावी हो गई है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। शुक्रवार देर रात जारी एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन में कहा गया कि नई दरें 31 अगस्त, 2024 से प्रभावी हैं। इससे पहले सरकार ने 16 अगस्त को कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) या विंडफॉल टैक्स को 54.3 प्रतिशत घटाकर 4,600 रुपये से 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया गया था, जबकि डीजल और एटीएफ पर टैक्स को शून्य पर अपरिवर्तित छोड़ दिया गया था।

24 घंटे में दुनिया के टॉप 2 अमीरों पर जमकर बरसा पैसा

नई दिल्ली। अक्सर कहा जाता है कि दुनिया में अमीर और अमीर हो रहे हैं। हालांकि सभी के लिए यह बात लागू नहीं होती, लेकिन कुछ अमीर ऐसे हैं तो लगातार और अमीर होते जा रहे हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स में शामिल दुनिया के टॉप-10 में से टॉप-2 अमीर की संपत्ति पिछले 24 घंटे में बेहताशा बढ़ गई है। यह इतनी हो गई है कि इसने टॉप-10 के बाकी 8 अमीरों की 24 घंटे की कमाई को पीछे छोड़ दिया है। यानी कह सकते हैं कि टॉप-2 की कमाई टॉप-10 के बाकी 8 अमीरों की कमाई पर भारी पड़ी है। इस इंडेक्स में पहले नंबर पर टेस्ला के फाउंडर एलन मस्क और दूसरे पर ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस हैं। पिछले 24 घंटे में एलन ने 5.59 बिलियन डॉलर (करीब 47 हजार करोड़ रुपये) और जेफ बेजोस ने 5.95 बिलियन डॉलर (करीब 50 हजार करोड़ रुपये) की कमाई की है।

एनएचपीसी-रेलटेल समेत चार कंपनियों को नवरत्न का दर्जा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपनी चार कंपनियों सतलुज जल विद्युत निगम लि., नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लि. (एनएचपीसी), सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. और रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. को नवरत्न का दर्जा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन कंपनियों को नवरत्न के रूप में अपग्रेड करने को मंजूरी दे दी है। देश में अब 25 सरकारी स्वामित्व वाली नवरत्न कंपनियां हैं। नवरत्न कंपनियों को केंद्र से मंजूरी लिए बिना 1,000 करोड़ तक निवेश करने की स्वायत्तता होती है। पूरे देश में मकानों की कीमतों का इंडेक्स (एचपीआई) जून तिमाही में घटकर 3.3 फीसदी रह गया है। एक साल पहले समान अवधि में यह 5.1 फीसदी रह गया था। मार्च तिमाही में यह 4.1 फीसदी रहा था। आरबीआई यह आंकड़ा 10 बड़े शहरों के पंजीकरण प्राधिकरण से मिले लेनदेन के आधार पर जारी करता है।

राज्यों को करों में हिस्सेदारी के रूप में 3.66 लाख करोड़ जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को विभिन्न कर और गैर-कर राजस्व के माध्यम से जुलाई 2024 के अंत तक कुल 10,23,406 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, प्राप्त राशि वित्त वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान (बीई) का 31.9 प्रतिशत है। दूसरी ओर, करों में हिस्सेदारी के हस्तांतरण के रूप में केंद्र की ओर से राज्य सरकारों को 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। सरकार की प्राप्तियों में कर राजस्व (केंद्र को शुद्ध) 7,15,224 करोड़ रुपये, गैर-कर राजस्व 3,01,796 करोड़ रुपये और गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां 6,386 करोड़ रुपये हैं। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को जुलाई 2024 तक के मासिक खातों को समेकित और प्रकाशित किया, जो चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार के वित्तीय प्रदर्शन की विस्तृत जानकारी प्रदान करता है।

सिग असॉल्ट राइफलों की खरीद पर नाराज देश के हथियार निर्माता

हरेंद्र चौधरी

रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में अमेरिकी कंपनी सिग सॉयर से अतिरिक्त 73,000 सिग 716 असाल्ट राइफल्स की खरीद के समझौते पर दस्तखत किए हैं। पहले और दूसरे ऑर्डर को मिला कर भारतीय सेना में अब 145,400 सिग 716 असाल्ट राइफलें हो जाएंगी। वहीं, इस खरीद का देश की छोटे हथियार निर्माता कंपनियों ने विरोध जताया है और देश की मेक इन इंडिया पहल पर सवाल उठाए हैं। इस मुद्दे पर बड़ी बहस छिड़ गई है। बेंगलुरू की कंपनी एसएसएस डिफेंस ने सार्वजनिक तौर पर देश में बन रहे हथियारों का समर्थन करने के बजाय विदेश में बनीं राइफलें खरीदने के फैसले पर सवाल उठाया है। वहीं, रक्षा सूत्रों का कहना है कि अगर एके-203 राइफलें वक्त पर मिल जातीं, तो सिग 716 का ऑर्डर नहीं देना पड़ता।

अमेरिकी निर्माता सिग सॉयर को 73,000 सिग-716 राइफलों के दूसरे ऑर्डर के फैसले ने मेक इन इंडिया पहल पर बहस छेड़ दी है। इस मामले को सबसे पहले उठाया स्नाइपर और असाल्ट राइफलें बनाने वाली बेंगलुरु की कंपनी एसएसएस डिफेंस के सीईओ विवेक कृष्णन ने। उन्होंने सरकार की विदेश से इस खरीद की कड़ी आलोचना करते हुए मेक-इन-इंडिया पहल पर सवाल उठाए। विवेक कृष्णन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखी एक बड़ी पोस्ट के जरिए अपनी निराशा को व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हम लंबे समय से खरीदारों से सुनते आ रहे हैं कि हम मेटलर्जी के मामले में उतने सक्षम नहीं हैं या हमारे डिजाइन वक्त से पीछे हैं। यह एक बड़ी चुनौती है। मेरा कहना है कि हर कैलिबर में ग्लोबल बेंचमार्क के साथ अपने स्वदेशी हथियार को रखें और उनकी टेस्टिंग करें और रिजल्ट को सार्वजनिक करें। टेस्ट

प्रोटोकॉल स्पष्ट रूप से परिभाषित किए गए हैं। यह दोनों पक्षों के लिए सबसे अच्छा होगा। कृष्णन यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि रक्षा मंत्रालय चाहता, तो भारतीय फर्मों को प्रतिस्पर्धा में शामिल करके देश में ही इसका समाधान निकल सकता था। वह कहते हैं कि क्या हमें भारतीय सामान पर गर्व करना चाहिए? अच्छे हथियार बनाना और उन्हें स्वीकार्यता होना एक मुश्किल काम है। भारतीयों ने हमेशा देखा है कि देश के जागने से पहले ही हमारे अपने वैश्विक साथी हमारा सम्मान करते हैं। यह हमारे लिए आत्मसम्मान की बात है। वह कहते हैं, काश सरकार उनसे अब और खरीद न करे। अगर सरकार सरकार निजी कंपनियों को बुलाती और भारतीय डिजाइन और उनके सामान पर जोर देती, तो आसानी से एक या कई प्रतियोगी सामने आ जाते।

बता दें कि इससे पहले वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह भी कह चुके हैं कि आत्मनिर्भरता राष्ट्र की रक्षा की कीमत पर नहीं हो सकती। राष्ट्र की रक्षा सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था कि आज की भू-राजनीति से हमने जो सबसे बड़ा सबक सीखा है, वह है आत्मनिर्भर होना। आत्मनिर्भरता केवल एक शब्द नहीं है, बल्कि यह कुछ ऐसा है, जिसमें हमें अपना दिल और आत्मा लगाने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा था कि जिन टेक्नोलॉजी और हथियारों के बारे में हम बात कर रहे हैं, वे सभी भारत में ही विकसित और निर्मित हों। हमें किसी बाहरी एजेंसी पर निर्भर न रहना पड़े। जो समय आने पर हमारा साथ छोड़ भी सकते हैं या हमारे देश में हथियारों की सप्लाई रोक भी सकते हैं। यहां तक कि समय आने पर हमें मुश्किल में डाल सकते हैं। विवेक कृष्णन की बात से पूर्व सैन्य अधिकारी भी इत्तेफाक रखते हैं। कांग्रेस पार्टी के पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिटायर्ड कर्नल रोहित चौधरी बातचीत के दौरान मोदी सरकार की मेक-इन-इंडिया पहल पर सवाल उठाते हुए कहते हैं कि यूपीए शासनकाल के दौरान 2006 में लाए गए प्रोक्योरमेंट मैनुअल का नाम बदल कर मेक-इन-इंडिया कर दिया है। इस लाने का उद्देश्य ही यही था कि रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी कंपनियों को बढ़ावा मिले। वह कहते हैं कि हमारे देश में भी असाल्ट राइफलें बनती थीं, डीआरडीओ के साथ मिल कर हमनें वर्ल्ड क्लास राइफलें बनाई हैं।

विश्वविद्यालय हमारी सामूहिकता, ज्ञान और संस्कृति के संरक्षक : राज्यपाल

समावेशी शिक्षा के साथ विश्वविद्यालय ज्ञान के क्षेत्र में बने विश्वगुरूः मुख्यमंत्री

रायपुर। महामहिम राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बिलासपुर के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 5वां दीक्षांत समारोह में शिरकत की। उन्होंने 64 विषयों में विद्यार्थियो को 92 गोल्ड मेडल तथा 48 को पी.एच.डी. और 35 हजार 291 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री प्रशांत कुमार मिश्रा शामिल हुए। उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था में अमूल्य योगदान पर पी.एच.डी. की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। कार्यक्रम में इससे पहले दीक्षांत समारोह शोभायात्रा निकाली गई। दीक्षांत समारोह में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव, राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी शामिल हुई। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक श्री अमर अग्रवाल, श्री धरम लाल कौशिक, श्री धरमजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला, श्री अटल श्रीवास्तव एवं श्री दिलीप लहरिया शामिल हुए। राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों ने विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका कन्हार और मासिक पत्रिका अटल दृष्टि का विमोचन किया। कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि विश्वविद्यालय हमारी सामूहिकता, ज्ञान और संस्कृति के संरक्षक है। वे ऐसे स्थान है जहां इतिहास संरक्षित किया जाता है। साहित्य का विश्लेषण किया जाता है। आप अपनी पढ़ाई के माध्यम से विचार के विविध क्षेत्रों में जुड़ रहें है मानवता के बारे में आपकी विचार को समृद्ध किया जा रहा है। भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 दूरदर्शिता का प्रतिनिधित्व करती है। इसका उद्देश्य युवाओं को तेजी से गतिशील दुनिया में आगे बढ़ने के लिए कौशल और ज्ञान से परिपूर्ण करना है। छत्तीसगढ़ के लिए यह नीति प्रगतिशील सुधारों की लहर लाती है, जो हमारे शैक्षणिक संस्थानों पर गहरा प्रभाव डालने के लिए तैयार है। विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम को न केवल उभरते हुए रूझानों और प्रौद्योगिकी के प्रति गतिशील और उत्तरदायी बनाना चाहिए बल्कि इसमें भारतीय परंपरा की समृद्ध विरासत भी शामिल होनी चाहिए। हम मिलकर एक उच्च शिक्षा प्रणाली का निर्माण कर सकते हैं, जो न केवल हमारे छात्रों की जरूरतों केा पूरा करेगी बल्कि हमारे राज्य और राष्ट्र के समग्र विकास में योगदान देगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश विकसित भारत /2047 के संकल्प हेतु क्रियाशील है, हम भी प्रदेश में विकसित छत्तीसगढ़ विजन 2047 के लक्ष्य को लेकर कार्य कर रहे हैं। मैं आश्वस्त हूँ कि इस दीक्षांत समारोह के बाद इस संस्थान के प्रतिभाशाली युवा अपनी रूचि के क्षेत्रों में अपना और अपने विश्वविद्यालय का नाम रौशन करते हुए इस संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। यह विश्वविद्यालय अपने नवाचारों से एक उदाहरण बनता जा रहा है। मुझे यह भी ज्ञात हुआ है कि प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के अंतर्गत विश्वविद्यालय को 20 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है जो प्रशंसनीय है तथा इससे विश्वविद्यालय की अधोसंरचना का विस्तार होगा और यहां उच्च शिक्षा का स्तर और भी उन्नत होगा। हमें तक्षशिक्षा, नालंदा जैसे भारतीय परपंरा के विशिष्ट विश्वविद्यालय को अपना आदर्श मानते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में प्रोत्साहन देना है। भारत हमेशा से ज्ञान के क्षेत्र में विश्वगुरु रहा है। हमें पुनः विश्वविद्यालयों को उस प्रतिष्ठा तक पहुँचाने में प्रयासरत होना है। हमें वही प्रतिष्ठा फिर से अर्जित करने के लिए हमारे शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विख्यात विशेषज्ञों द्वारा लंबे और व्यापक विचार विमर्श के बाद बनाई गई है। यह शिक्षा नीति भावी परिदृश्य को ध्यान में रख कर बनाई गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का टापू बनकर न रहे, समाज से सरोकार रहे, समाज एवं राष्ट्र में विश्वविद्यालय का योगदान हो तथा निरंतर शोध कार्य हो। आधुनिक युग में युवा पीढ़ी शिक्षित तो हो रही है परन्तु उन्हें संस्कारों से जोड़ने की जिम्मेदारी भी हमारी है। छत्तीसगढ़ प्रदेश अपनी विशेष संस्कृति के लिए जाना जाता है, अतः छात्रों को संस्कार और संस्कृति के संरक्षण मूलक शिक्षा देने की व्यवस्था के लिए विशेष प्रयास होना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय का तेजी से विकास हुआ है इसे भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ द्वारा अकादमिक और प्रशासनिक विकास केन्द्र के रूप में मान्यता दी गई है जो विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रशिक्षण की गुणवत्ता को दर्शाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा के साथ-साथ कानूनी क्षेत्र में भी विकास और उन्नति के अवसर खोलती है। कार्यक्रम को केन्द्रीय शहरी राज्य विकास मंत्री श्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्तिगण, पंडित सुंदर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति श्री वंश गोपाल, नंद कुमार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति एल.पी. पटेरिया, हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ. अरूणा पलटा, भूपेन्द्र सवन्नी, कुलसचिव शैलेन्द्र दुबे प्रशासनिक अधिकारी सहित बड़ी संख्या में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, यूनिवर्सिटी कें प्राध्यापक एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

चौधरी को मिला 6 विस का प्रभार, पार्टी नेताओं के साथ की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आला नेताओं को भाजपा ने चुनाव प्रचार में जिम्मा सौंपा है। सभी बारी बारी से अपने प्रभार वाले क्षेत्रों में जाकर स्थानीय नेताओं के साथ समन्वय बैठक कर रहे हैं। वित्तमंत्री ओपी चौधरी को छह विधानसभाओं का प्रभारी बनाया गया है। चौधरी प्रचार के साथ-साथ घोषणा पत्र और अन्य रणनीति बनाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। झारखंड में पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर शनिवार को यहां पहुंचे, और कहा कि पार्टी संगठन जो भी काम अपने कार्यकर्ताओं को देता है, उसे सौ फीसदी प्रतिबद्धता के साथ निभाता है। चौधरी को झारखंड में हजारीबाग, और रामगढ़ की कुल 6 विधानसभाओं का प्रभारी बनाया गया है। वित्तमंत्री इससे पहले झारखंड के कार्यकर्ताओं के साथ ऑनलाईन मीटिंग कर रहे थे। इसके बाद वो चार दिन हजारीबाग, और रामगढ़ में रहकर कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। उन्होंने प्रचार को लेकर टिप्स दिए। झारखंड से लौटने के बाद एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा में चौधरी ने कहा कि भाजपा संगठन 365 दिन चौबीस घंटे काम करता है। झारखंड में चुनाव है तो वहां जाकर हाथ में हाथ बंटाते हैं। उन्होंने भिलाई के विधायक देवेन्द्र यादव को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने पर कटाक्ष किया, और कहा कि कांग्रेस पार्टी में पार्टी के अपराधीकरण को सर्वोच्च स्तर पर ले गई है। देवेन्द्र छत्तीसगढ़ की शांत फिजा को असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर डिस्टर्ब करने का काम किया है। देवेन्द्र यादव ने छत्तीसगढ़ की शांत फिजा को बिगाडने का काम किया। झारखंड में न सिर्फ ओपी चौधरी बल्कि केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, दोनों डिप्टी सीएम अरूण साव और विजय शर्मा की ड्यूटी लगाई है।

स्वाभिमानी और स्वावलंबी युवाओं से भारत बनेगा ग्लोबल पावर : चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने आज यहां नवा रायपुर स्थित आईटीएम यूनिवर्सिटी में एरीज एग्रो लिमिटेड के सहयोग से स्थापित आईटीएम ड्रोन ट्रेनिंग एकादमी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्वाभिमानी और स्वावलंबी युवाओं से भारत ग्लोबल पावर बनेगा।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने ड्रोन एकादमी के पहले बैच में प्रशिक्षण ले रहे ड्रोन दीदी और ड्रोन पायलट को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार के हाल के बजट में इंटर्नशिप के लिए विशेष प्रावधान किये गए हैं ताकि देश के एक करोड़ से ज्यादा यूथ इंटर्नशिप लेकर देश में मैनपावर की कमी दूर कर सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया का 20 प्रतिशत युवा भारत में हैं और दुनिया को काम करने वालों की जरुरत है। यहाँ सात दिन की ड्रोन ट्रेनिंग कैरियर के लिए ज्यादा कारगर हो सकता है। उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं के दीर्घकालीन सफलता में प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी पर जोर दिया।

आईटीएम ड्रोन ट्रेनिंग एकादमी को छत्तीसगढ़ प्रदेश का पहले ड्रोन ट्रेनिंग एकादमी बनने का गौरव प्राप्त हुआ है जो महज सात दिनों के प्रशिक्षण में ड्रोन दीदी और ड्रोन पायलट तैयार करेगा जो डीजीसीए सर्टिफाइड पायलट कहलाएंगे। आईटीएम यूनिवर्सिटी कैंपस में उद्घाटन समारोह में डायरेक्टर जनरल सुश्री लक्ष्मी मूर्ति ने मुख्य अतिथि वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी और विशेष अतिथि के रूप में मौजूद एरीज एग्रो लिमिटेड के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. राहुल मीरचंदानी का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

डायरेक्टर जनरल सुश्री लक्ष्मी मूर्ति ने कहा कि आईटीएम यूनिवर्सिटी सर्टिफिकेशन के अलावा ड्रोन टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता लाने बहुत जल्द डिग्री एवं मास्टर प्रोग्राम भी प्रारंभ करेगा ताकि प्रदेश के युवाओं को इसका हरसंभव लाभ मिल सकें। एरीज एग्रो लिमिटेड के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. राहुल मीरचंदानी ने कहाकि ड्रोन तकनीकों का कृषि में इस्तेमाल करने से किसानों की कई समस्याएं दूर होंगी। समय और मजदूर काम लगने के साथ ड्रोन से पानी की भी बचत होगी और फसलों की पैदावार दोगुनी होगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने झारखंड प्रवास के दौरान देवघर में स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

फ्लैगशिप योजनाओं का आमजनों को मिले शत-प्रतिशत लाभः राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने बिलासपुर जिले के प्रवास के दौरान जिले के अधिकारियों से विकास एवं अन्य गतिविधियों पर बैठक लेकर उनसे सामान्य परिचर्चा की। उन्होंने कहा कि शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का आमजन मानस को शत-प्रतिशत लाभ मिलना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने जल संरक्षण एवं जल संचयन, पौधारोपण एवं पर्यावरण संवर्धन, परंपरागत एवं जैविक खेती प्रोत्साहन, टी.बी उन्मूलन आदि विषयों पर अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर चलाए जा रहे वृक्षारोपण के संबंध में जानकारी ली। राज्यपाल श्री डेका ने कृषि विभाग के अधिकारी से परंपरागत कृषि एवं जैविक खेती प्रोत्साहन, फसल बीमा आदि विषयों पर की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर जिले के प्रगतिशील किसानों को चिन्हांकित कर उन्हें प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल बीमा के प्रति जागरूक करें.

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

कांग्रेस नेत्री प्रीति उपाध्याय को विस चुनाव की जिम्मेदारी

रायपुर। आगामी जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव-2024 के लिए कांग्रेस ने तैयारी तेज कर दी है। पहले चरण के नौ उम्मीदवारों के चयन के साथ ही अब अखिल भारतीय महिला कांग्रेस पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति कर दी गई है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ से महिला नेत्री प्रीति उपाध्याय शुक्ला को 53-डोडा वेस्ट निर्वाचन क्षेत्र की अखिल भारतीय महिला कांग्रेस पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्ति का आदेश राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा ने दिया है। इसके पूर्व राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें झारखंड में सिमडेगा तथा गुमला की जिम्मेदारी दी थी। उनके बेहतरीन कार्यशैली को देखते हुए उन्हें पुनः राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी दी गई है। प्रीति उपाध्याय शुक्ला ने इस नियुक्ति के लिए जननायक राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव (संगठन) केसी वेनुगोपाल, महासचिव प्रियंका गांधी, महिला कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा समेत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और राज्यसभा सांसद तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष फूलो देवी नेताम का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया है।

हाईकोर्ट ने दिवंगत पुलिस निरीक्षक की विधवा को दी राहत,

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने पुलिस इंस्पेक्टर मालिकराम रात्रे की विधवा धनेश्वरी रात्रे के खिलाफ जारी वसूली आदेश को निरस्त कर दिया है। दरअसल, जांजगीर-चांपा पुलिस विभाग में पदस्थ निरीक्षक (इंस्पेक्टर) मालिकराम रात्रे की मृत्यु के बाद पुलिस अधीक्षक (एस.पी.) जांजगीर-चांपा द्वारा उनके सेवाकाल के दौरान 27 दिसंबर 1986 से 30 नवंबर 2018 तक गलत वेतन निर्धारण के कारण हुए अधिक भुगतान को संशोधित करते हुए उनकी पत्नी धनेश्वरी रात्रे के सेवानिवृत्ति देयक से लगभग दो लाख रुपये की वसूली का आदेश जारी किया गया था। इस वसूली आदेश के विरुद्ध धनेश्वरी रात्रे ने हाईकोर्ट बिलासपुर में रिट याचिका दायर की, जिसमें उनके अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय और देवांशी चक्रवर्ती ने तर्क दिया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों, जैसे स्टेट ऑफ पंजाब विरुद्ध रफीक मसीह (2015) और थॉमस डेनियल विरुद्ध स्टेट ऑफ केरला (2022) के साथ-साथ हाईकोर्ट बिलासपुर की डिवीजन बेंच द्वारा छत्तीसगढ़ शासन एवं अन्य विरुद्ध लाभाराम ध्रुव के मामले में दिए गए निर्णय के आधार पर किसी भी तृतीय श्रेणी कर्मचारी, सेवा निवृत्त कर्मचारी या उनके परिवार के सदस्यों से इस प्रकार की वसूली नहीं की जा सकती है।

भिलाई डीपीएस मामले में बैज ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

रायपुर. कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश में सियासत गर्म है. सत्ताधारी बीजेपी और विपक्ष की कांग्रेस पार्टी के बीच वार पलटवार का दौर जारी है. इसी बीच भिलाई में 4 साल की मासूम के साथ दुराचार के मामले को लेकर आज कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्यपाल रामेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को चिट्ठी लिखा है. उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री साय से मुलाकात का समय मांगा है. बता दें, बीते दिन शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री भुपेश बघेल ने भी प्रेस कांफ्रेस कर प्रदेश में हो रहे अपराधों के खिलाफ कानून व्यवस्था को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा था. उन्होंने डीपीएस स्कूल में 4 साल की बच्ची के साथ दुराचार के मामले में पुलिस प्रशासन की भूमिका और राज्य सरकार पर भी सवाल खड़े किये थे, जिसके बाद अब पीसीसी चीफ दीपक बैज ने इस मुद्दे को लेकर राज्यपाल डेका और सीएम साय से मुलाकात का वक्त मांगा है. पूर्व सीएम बघेल ने आरोप लगाया है कि राज्य में लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं. चोरी, लूट, हत्या जैसी घटनाएं तो आम हो गई है, सामूहिक दुष्कर्म की घनटाएं भी निरंतर घटित हो रही है. लेकिन सरकार इन घटनाओं को रोक पाने में विफल रही है.

भाजपा कार्यकर्ता मौत मामला, कांग्रेस जांच दल गठित

रायपुर। राजधानी रायपुर के धरसींवा में बरबंदा रेलवे ट्रैक पर बीते दिनों विधानसभा थाना क्षेत्र के दौंदेकला निवासी बीजेपी कार्यकर्ता संतोष पटेल की सिर कटी लाश मिली थी। इस मामले में सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने मामले में भाजपा को सियासी तौर पर घेरने 6 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। कांग्रेस द्वारा गठित जांच समिति में खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव को संयोजक बनाया गया है। वहीं कसडोल विधायक संदीप साहू, भाटापारा विधायक इंद्र साव, राज्यसभा की पूर्व सदस्य छाया वर्मा और धरसींवा की पूर्व विधायक अनिता शर्मा को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि संतोष पटेल की आत्महत्या के मामले में कांग्रेस ने बड़े आंदोलन की तैयारी की है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ दीपक बैज भी शामिल होंगे। आज धरसीवा में आयोजित बैठक में पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, पूर्व विधायक अनिता शर्मा, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा, मृतक के परिजन और पटेल मरार समाज के लोग भी शामिल हुए। कांग्रेसियों का आरोप है कि आत्महत्या करने वाले संतोष पटेल के परिजनों से मारपीट करने वाले लोग शराब कोचिया थे, और घटना के बाद मृतक ने कई जगह न्याय की गुहार लगाई थी। न्याय न मिलने के बाद संतोष पटेल ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या की थी।

बस टर्मिनल के पीछे अधेड़ महिला से रेप, आरोपी ड्राइवर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर रेप की घटना से शर्मसार हुई है। घटना भी भाठागांव बस टर्मिनल जैसे चहल पहल वाले इलाके की है। अधेड़ महिला के साथ कल रात रेप हुई है, पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी ड्राइवर सोनीलाल झारिया जबलपुर का रहने वाला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता महासमुंद जिले के सरायपाली की रहने वाली है। 3 दिन पहले पारिवारिक विवाद के चलते घर छोड़कर आई थी और तीन दिन से बस स्टैंड के पास ही रह रही थी। जहां उससे बातचीत में एक व्यक्ति ने परिचय बढ़ाया। और कल रात इंटर स्टेट बस टर्मिनल के पीछे एक पेड़ पौधों से घिरे एक सुनसान जगह पर ले गया। यह जगह बस आपरेटर और ड्राइवर यार्ड की तरह इस्तेमाल करते हैं। इसी से रिंग रोड भी लगी हुई है। कल रात उस व्यक्ति ने महिला को कोल्ड ड्रिंक (फरूटी) पिलाया। यह पीते ही महिला बेसुध हे गई। जिसे उस व्यक्ति ने यार्ड में खड़ी महिंद्रा ट्रेवल्स की बस में ले गया और बलात्कार को अंजाम दिया। होश आने पर महिला पूछते हुए टिकरापारा थाने पहुंच पुलिस को पूरी घटना बताई। तत्काल सक्रिय हुई पुलिस ने पहले दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और इन्हीं में से एक की शिनाख्त पर गिरफ्तार कर लिया। शनिवार सुबह सीन आफ क्राइम के तहत भी पुलिस, एफएसएल टीम के साथ मौके पर जाकर एक घंटे से अधिक की जांच में साइंटिफिक सबूत इकट्ठा किए।

क्लास में कभी टॉप नहीं, बल्कि दूसरा स्थान ही किया हासिल- कलेक्टर डॉ. सिंह

कलेक्टर ने उड़ान कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल के विद्यार्थियों को बताए सफलता के मूलमंत्र

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आमापारा स्थित पीएम श्री पंडित आर. डी. तिवारी अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में उड़ान कार्यक्रम के तहत शालेय विद्यार्थियों के लिए प्रेरक उद्बोधन एवं संवाद की शुरूआत की। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ लक्ष्य निर्धारत कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इसके लिए पदचिन्ह तय करने की जरूरत है। हर विद्यार्थियों को अपने लिए पढ़ाई करनी चाहिए। इससे माता-पिता की पहचान बनने के साथ गांव, परिवार का नाम रौशन होता है। उन्होंने अपने पुराने अनुभव साझा करते हुए कहा कि असफलता मिलती तो कभी घबराएं नहीं। कलेक्टर ने कहा कि मैंने कभी कक्षाओं में कभी प्रथम स्थान हासिल नहीं किया, बल्कि द्वितीय स्थान पर ही रहा। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज से अध्ययन किया और बाद में मास्टर आईआईटी से किया, लेकिन लक्ष्य सोचा था उसके लिए मेहनत की और यूपीएससी पास कर आईएएस बनकर गांव लौटा तो पूरा गांव गौरवान्वित हो उठा।

डॉ. सिंह ने कहा कि कोई भी चीज को पाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के साथ दृढ़संकल्पित होना जरूरी है। साथ ही जज्बा और कड़ी मेहनत से निश्चित ही सकारात्मक परिणाम आता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में सीखने, समझने की जिज्ञासा होनी चाहिए। पढ़ाई को बोझ समझने से बेहतर हैं कि खेल की तरह मन लगाकर करें।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत कर कुछ बड़ा कर गुजरने की चाहत होनी चाहिए। जीवन में कठिनाई के दौर भी आते हैं, लेकिन मेहनत ही सफलता दिलाती है। वहीं समय ही खुशियों का पल होता है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने पालकों से भी आग्रह किया कि कोई भी पालक अपने बच्चों उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दबाव न बनाएं। प्रत्येक विद्यार्थियों ने आलौकिक प्रतिभा लेकर जन्म लिया है। उन्होंने कहा कि कक्षा में प्रथम स्थान हासिल करना ही सफलता का पैमाना नहीं हैं, बल्कि कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चित से ही विद्यार्थी सफल होता है।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में सबसे सरल सवाल पूछे जाते हैं। सर्वप्रथम अभ्यर्थियों से बेसिक जानकारी ली जाती है और अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व के बारे में सवाल किए जाते हैं।

कमजोर वर्ग के बच्चों की सरकार करेगी हरसंभव मदद

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रयास विद्यालयों के 20 बच्चों का एमबीबीस और बीडीएस में चयन हुआ है। आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने चयनित छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने चयनित बच्चों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्ग के बच्चों की सरकार हरसंभव मदद करेगी। मंत्री नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओ सहित युवाओं और कमजोर वर्गों के विकास के निरन्तर काम कर रही है। राज्य के अनुसूचित जाति जनजाति, पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए नीतिगत फैसलों के साथ विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है इसी का परिणाम है कि आज कमजोर वर्ग के बच्चे भी राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। ऐसे वर्गों के बच्चों के मदद के लिए सरकार तत्पर है। उन्हें सरकार की ओर हरसंभव मदद मिलती रहेगी।

एमबीबीस और बीडीएस के लिए चयनित बच्चों में सुहाना, श्रेया पन्ना, नमीता कोर्राम, रेशमी कोमरे, अरूणा नेताम, यामिनी कुंजाम, फालगुनी बघेल, सेतकुमारी, नूतन लाटिया, काजल खांडे, हर्षिता मंडावी, चित्ररेखा दीवान, पुनिता मंडावी, दीपशिखा तिग्गा, उषा, हिमांशु बेक, दीपिका नाग, मनीता तिरकी, पुष्पराज सिंह अयाम, मिलन सिंह है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.